CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-289
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 21 जनवरी 2024

आज का विचार

संसार के प्रवाह को स्वीकार करने से इंकार करना ही सभी दुखों की जड़ है।-देवदत्त पटनायक

पेज-04

जहां हुआ था राम सेतु का निर्माण वहां पहुंचे पीएम, हाथों में जल लेकर की पूजा-अर्चना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को तमिलनाडु के अरिचल मुनाई पहुंचे और उन्होंने समुद्र तट पर पुष्प अर्पित किए। मोदी ने वहां 'प्राणायाम भी किया। उन्होंने समुद्र का जल हाथों में लेकर प्रार्थना की और अर्घ्य दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को तमिलनाडु के अरिचल मुनाई पहुंचे और उन्होंने समुद्र तट पर पुष्प अर्पित किए। मोदी ने वहां 'प्राणायाम भी किया। उन्होंने समुद्र का जल हाथों में लेकर प्रार्थना की और अर्घ्य दिया। मोदी ने रात्रि प्रवास रामेश्वरम में किया था और इसके बाद वह अरिचल मुनाई गए। कहा जाता है कि अरिचल मुनाई वह स्थान है जहां राम सेतु का निर्माण हुआ था। राम सेतु को 'एडम ब्रिज के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा बताया जाता है कि इसका निर्माण भगवान राम ने रावण से युद्ध करने के लिए लंका जाने के वास्ते 'वानर सेना की मदद से किया था। रविवार को प्रधानमंत्री ने समुद्र तट पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने वहां बने राष्ट्रीय प्रतीक स्तंभ पर भी पुष्पांजलि अर्पित की।राम सेतु को 'एडम ब्रिज के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा बताया जाता है कि इसका निर्माण भगवान राम ने रावण से युद्ध करने के लिए लंका जाने के वास्ते 'वानर सेना की मदद से किया था। रविवार को प्रधानमंत्री ने समुद्र तट पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने वहां बने राष्ट्रीय प्रतीक स्तंभ पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। मोदी ने शनिवार को 'अग्नि तीर्थ तट पर स्नान करने के बाद यहां भगवान रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा की थी। रुद्राक्ष-माला पहने नजर आए प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु के प्राचीन शिव मंदिर रामनाथस्वामी में पूजा की। पुजारियों ने मोदी का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। मोदी ने मंदिर में हुए भजनों में भी हिस्सा लिया था।

मुख्यमंत्री से अचानक मिलने पहुंचे ज्योतिरादित्य सिंधिया

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिलने के लिए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया श्यामला हिल्स स्थित मुख्यमंत्री निवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मध्य प्रदेश के विकास को लेकर चर्चा की इस दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री सिंधिया का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। आपको बता दें की मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी

जानकारी दी है। मुख्यमंत्री ने लिखा आज केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री माननीय श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी ने निवास पर सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उनके साथ मध्यप्रदेश की प्रगति एवं विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा, दिन 6

भागवत लखनऊ पहुंचे, रामलला आज नए मंदिर जाएंगे

अयोध्या में 16 जनवरी से शुरू हुए प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का रविवार 21 जनवरी को छठा दिन है। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या की सीमाएं सील कर दी गईं। अब 23 जनवरी तक सिर्फ प्राण प्रतिष्ठा में बुलाए गए मेहमानों को ही पास दिखाकर एंट्री मिलेगी। उधर, अयोध्या को 2000 क्विंटल फूलों से सजाया जा रहा है। आज शाम की आरती के बाद अनुष्ठान पूरे हो जाएंगे। वहीं, आज शाम को रामलला की पुरानी प्रतिमा (रामलला विराजमान, जिनकी पूजा हो रही है) को राम मंदिर ले जाया जाएगा। रामलला के साथ उनके तीनों भाई, हनुमान और शालिग्राम भी रहेंगे। प्राण प्रतिष्ठा के लिए पीएम मोदी 22 जनवरी को ही अयोध्या आएंगे। वे यहां चार घंटे रुकेंगे। पहले उनके 21 जनवरी को अयोध्या आने की चर्चा थी।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा आज फिर असम लौटेगी, अरुणाचल के होलोंगी से प्रवेश

राहुल बोले- भाजपा देश को जाति- धर्म के आधार पर बांट रही

कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा आज (21 जनवरी) फिर असम लौटेगी। शनिवार को न्याय यात्रा के सातवें दिन राहुल ने असम के लखीमपुर जिले के बोगीनादी से यात्रा की शुरुआत की। यात्रा असम से अरुणाचल प्रदेश पहुंची। इसके पहले दोईमुख में राहुल गांधी ने अपने वाहन से सभा को संबोधित किया किया। उन्होंने कहा कि भाजपा देश को देश को जाति, पंथ और धर्म के नाम पर बांटना चाहती है। आज यात्रा अरुणाचल की राजधानी इटानगर से होलोंगी पहुंचेगी, जहां से असम में प्रवेश होगा। 25 जनवरी तक यात्रा असम में ही रहेगी। 22 जनवरी को राहुल असम के नागांव जिले में श्री शंकरदेव के जन्मस्थल बोरदोवा सत्रा जाएंगे और श्री शंकरदेव को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। यह जानकारी कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी जयराम रमेश ने दी। 26 और 27 जनवरी को यात्रा का ब्रेक रहेगा। 28 जनवरी से फिर यात्रा शुरू होगी।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

मालवा से करीब 23 लोग और 142 साधु-संत अयोध्या के कार्यक्रम में शामिल होंगे

इंदौर। देश दो महीने में दूसरी बार दीपावली मनाने जा रहा है। त्रेतायुग से दीपावली मनाई जा रही है, परंतु पहली बार ऐसा होगा कि दीपावली जनवरी माह में मनाई जा रही है। 550 वर्ष के संघर्ष के बाद 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। ऐसे में हर गांव, शहर भगवा ध्वज, श्रीराम मूर्ति, दीये आदि सामग्री से सजा है। इंदौर में दीपावली सा माहौल दिखने लगा है। साथ ही इंदौर से कुछ चुनिंदा हस्तियां 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की साक्षी बनेंगी।अयोध्या में पूरे देश से करीब 7000 लोगों को आमंत्रित किया गया है। मालवा से करीब 23 लोग और 142 साधु अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होंगे। शहर से आमंत्रित लोग इसको लेकर काफी उत्साहित हैं, मानो त्रेतायुग हो और श्रीराम वनवास से वापस अयोध्या लौट रहे हैं और इन्हें प्रभु श्रीराम के स्वागत का मौका मिलेगा। हृदय में उठ रहीं प्रसन्नता की लहरें विश्व हिंदू परिषद के मालवा प्रांत के अध्यक्ष महेंद्र गुप्ता ने शनिवार को अयोध्या के लिए प्रस्थान किया। इसके पूर्व इन्होंने बताया कि छह साल की उम्र में अयोध्या गया था। इसके बाद कई बार अयोध्या के पास से निकलना हुआ लेकिन कभी वहां जा नहीं सका। मन में भी एक चिंतन चलता था कि जब श्री राम का मंदिर बनेगा तभी अयोध्या में दर्शन करने जाऊंगा। प्रभु की कृपा देखिए, 22 जनवरी के लिए अयोध्या से प्रभु का बुलावा भी आ गया। हृदय प्रसन्नता की जो लहरें उठ रही हैं, उन्हें व्यक्त करना संभव नहीं है। कोई तैयारी नहीं की है। बस मन में रामलला के दर्शन की लालसा है। इतने सालों के संघर्ष के बाद आज जब अयोध्या सज रही है तो ये हमारा सौभाग्य है कि हम इस पल के साक्षी बनेंगे। मेरे पूरे नगर में खुशी है कि यहां से कोई अयोध्या जा रहा है। श्रीराम शब्द ही काफी है, अब तो पूरा राम मंदिर है उज्जैन स्थित संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डा. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होंगे। मिथिला प्रसाद ने कहा कि श्रीराम शब्द ही काफी है। सदियों से श्रीराम हमारे आदर्श हैं। जब से राम मंदिर के निर्माण की खबर आई है, तब से खुशी हो रही है। इसके बाद अयोध्या से जब न्योता आया, तब लगा यह न्योता सीधे श्रीराम की ओर से आया है। मेरे घर का माहौल हमेशा राममय रहता है। प्रत्येक व्यक्ति को पूरा सुंदरकांड मुंह जुबानी कंठस्थ है। आज हर दिन राम मंदिर के संघर्ष की दास्तां याद आती है। राम मंदिर का भव्य निर्माण देखकर मन प्रफुल्लित हो उठता है।

भगवामय हुआ इंदौर, भगवा पताकाओं से सजे बाजार

इंदौर। 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर इंदौर में खासा माहौल है। जगह-जगह धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में प्रभात फेरी और जुलूस निकाले जाने का भी दौर शुरू हो गया है। रविवार को राजवाड़ा क्षेत्र में जुलूस निकाला गया। जिसमें बड़ी संख्या में राम भक्त भगवा ध्वज थामकर शामिल हुए।भगवा पताकाओं से सजी दुकानें और मुख्य मार्ग इंदौर के बाजारों में एक माह पहले से ही केसरिया ध्वज और भगवान राम के कटआउट दिखाई देने लगे थे। शहर की ज्यादातर सड़कों को भगवा पताकाओं और झंडियों से सजाया गया है। पाटनीपुरा मार्ग पर दुकानें और सड़क के बीचों-बीच डिवाइडर पर झंडे, झंडियां व पताका लगाए गए हैं। इसी तरह रणजीत हनुमान मंदिर रोड, अन्नपूर्णा रोड, राजबाडा क्षेत्र सहित अन्य मार्केट को सजाया गया है। राम दरबार और पूजन सामग्री की बढ़ी मांग पूजन सामग्री की दुकानों पर भीड़ नजर आ रही है। लोग भगवा झंडे, पूजन सामग्री, राम दरबार, भगवान की मूर्तियां, तस्वीरें और सजावट के सामान की काफी मांग कर रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि कुछ दिनों में यह मांग कई गुना बढ़ गई है। सामग्री न मिलने पर लोग बुकिंग तक करवा रहे हैं। खरीदारों का कहना है कि आम दिनों से सामग्री थोड़ी महंगी मिल रही है। हालांकि बाजार में सबसे ज्यादा भगवा ध्वज और राम दरबार की मांग की जा रही है। साथ ही लकड़ी के राम दरबार की खास मांग है। यहां 20 से लेकर 300 रुपये तक के झंडे और 150 से लेकर हजारों की कीमत में राम दरबार मिल रहे हैं।

इंदौर में ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में दिवाली जैसा माहौल

30 प्रतिशत तक बढ़ी गाड़ियों की बुकिंग

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन को शुभ मानते हुए गाड़ियों की बुकिंग में भी तेजी आई है। सभी शोरूम पर इन दिनों लोग चार पहिया और दो पहिया वाहनों के लिए पहुंच रहे हैं। ज्यादातर शोरूम पर बड़ी संख्या में गाड़ियों की बुकिंग हो चुकी है, वहीं कई लोग गाड़ियों को देखने भी पहुंच रहे हैं। ग्राहक 22 जनवरी को ही अपनी गाड़ी की डिलीवरी मांग रहे हैं। जिन लोगों ने पहले की बुकिंग करवाई थी, अब वे भी 22 को ही गाड़ी घर ले जाना चाहते हैं।श्याम टाटा कार्स के डायरेक्टर विशाल पमनानी ने बताया कि इस समय गाड़ियों को लेकर वैसी ही डिमांड आ रही है, जैसे दीपावली के समय आती है। ग्राहक अपनी पसंदीदा गाड़ी को श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन ही घर ले जाना चाहते हैं। इसके लिए अभी दो पहिया वाहन में 20 से 30 प्रतिशत बुकिंग बढ़ी है, जबकि चार पहिया वाहनों की बुकिंग में 17 से 18 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है।1 राज सुजुकी के दीपक चौधरी ने बताया कि दो पहिया वाहन की बुकिंग में काफी

तेजी देखने को मिल रही है। अभी तक करीब 22 स्कूटरों की बुकिंग हमारे शोरूम पर हो चुकी है। सभी गाड़ियां 22 जनवरी को ही अपने घर ले जाएंगे। उम्मीद है कि प्राण प्रतिष्ठा के समय तक गाड़ियों की संख्या और भी बढ़ जाएगी। बाजार में दिवाली जैसी तेजी देवास नाका स्थित सक्सेस ऑटोमोबाइल के सेल्स हेड वीरेंद्र राजपूत ने बताया कि अभी तक फाक्सवैगन की 15 वर्ट्स और टाइगन गाड़ियों की बुकिंग हो चुकी है। सभी गाड़ियां की डिलेवरी 22 जनवरी को ही करनी है। ज्यादातर ऐसा दीवाली और अन्य शुभ अवसरों पर देखने को मिलता है। बाजार में वैसी ही तेजी श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन भी देखने को मिल रही है।

रोम-रोम में राम, अहिल्या की नगरी इंदौर में हैं भगवान राम के अनूठे मंदिर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। 500 साल के 'वनवास' के बाद सनातन धर्म का सूर्य भले ही अयोध्या में उदित होने जा रहा है लेकिन इसके प्रकाश से इंदौर सैकड़ों वर्षों से आलोकित है। इंदौर के रोम-रोम में राम बसे हैं। यहां के प्राचीन राम मंदिरों की आभा देखते ही बनती है। कहीं कान्हा की तरह श्यामवर्ण में तो कही हर ओर प्रभु राम के दर्शन होते हैं। निरालाधाम की दीवार पर अंकित रामायण की संपूर्ण गाथा चित्रों के साथ अंकित है तो राजेंद्रनगर राम मंदिर में वे अर्धांगिनी सीता और भाई लक्ष्मण संग मनोहारी स्वरूप में मर्यादित जीवन जीने का संदेश देते है। ऐसे ही विशेषताओं वाले आस्था के केंद्र पंचकुइयां और खातीपुरा स्थित राम मंदिर भी हैं।राम मंदिर राजेंद्र नगर = राम दरबार के साथ भगवान दत्तात्रेय के भी दर्शन शहर के राजेंद्र नगर स्थित मंदिर में राम दरबार के साथ ही भगवान दत्तात्रेय और राधा-कृष्ण के भी मनोहारी स्वरूप के दर्शन होते हैं। राजेंद्र नगर की स्थापना हुए 75 वर्ष से अधिक हो चुके हैं और यहां के मुख्य मार्ग पर स्थित राम मंदिर भी अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण कर 51वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। इस क्षेत्र के रहवासियों के लिए श्री राम का यह मंदिर आस्था और श्रद्धा का मुख्य केंद्र बन चुका है। वर्ष 2015 में इसका जीर्णोद्धार कर इसे भव्य रूप दिया गया है। मंदिर से जुड़े सुनील धर्माधिकारी बताते है कि विद्वानों और पंडितों की सलाह के पश्चात पूर्व के राम दरबार की छोटी मूर्तियों के स्थान पर 39 इंच की बड़ी मूर्तियां स्थापित की गई हैं तथा पुरानी मूर्तियों को भी मंदिर परिसर में ही स्थापित किया गया है। प्रतिवर्ष श्रीराम नवमी के अवसर पर यहां नौ दिवसीय उत्सव में धार्मिक के साथ सांस्कृतिक आयोजन का उल्लास देखते ही बनता है। कनाडिया रोड पर स्थित निरालाधाम में भगवान राम की महिमा का गुणगान होता है। मंदिर के कण-कण से राम नाम की सुगंध आती है। यहां 11 हजार वर्गफीट में तीन दर्जन से अधिक मंदिरों की हर नींव और दीवारों में भक्तों द्वारा लिखे गए लाखों जय श्रीराम नाम लिखे पत्रक डाले गए हैं। साथ ही यहां के हर मंदिर के गुंबज, दीवार और कोने-कोने में जय श्रीराम लाल रंग से लिखा गया है।

शुभ दिवस पर इंदौर के पुलिस थाने के मंदिर में खाकी पहनेंगे राम भक्त हनुमान

इंदौर। इन दिनों भारतवर्ष रामोत्सव में डूबा है। हर ओर प्रभु के भव्य राम मंदिर की चर्चा है। मगर कोई भी रामकथा भक्त हनुमान के बिना पूर्ण नहीं होती। पौराणिक मान्यता है कि अयोध्या में सुरक्षा का जिम्मा हनुमानजी के जिम्मे था और वर्तमान दौर में पुलिस में हनुमानजी के आशीष के साथ ही 'रक्षक' की भूमिका निभा रही है। थानों को सजाया जा रहा है। रामभक्त हनुमान की आराधना चल रही है। कहीं रामायण तो कहीं चोला चढ़ाया जा रहा है। शुभ दिवस पर हनुमानजी खाकी धारण कर रहे हैं। शहर के लगभग सभी थानों में मंदिरशहर के लगभग सभी थानों में मंदिर है और उनमें हनुमान जी विराजमान हैं। छोटे से छोटा और बड़े से बड़ा पुलिसकर्मी ड्यूटी पर आते ही मंदिर में माथा टेकता तो और सेल्यूट कर अपने काम की शुरुआत करता है। प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर इन मंदिरों आयोजन रखे जा रहे है। बाणगंगा थाना परिसर में विराजित हनुमान मंदिर में अनोखा शृंगार हो रहा है। रामभक्त हनुमानजी को खाकी चोला चढ़ाया जा रहा है। इस दौरान हनुमानजी पुलिस अफसर की तरह दिखाई देंगे। सीने पर सीताराम और कंधे पर सितारों की जगह राम लिखा होगा। विश्व की पहली खोज हनुमानजी ने ही की थाना प्रभारी नीरज बिरथरे के मुताबिक हनुमान जी पुलिस की प्रेरणा है। पहली खोज तो उन्होंने ही की थी। पुलिस उनका

अनुसरण कर ले तो सब काम आसान हो जाए। थाना परिसर में बने हनुमान मंदिर में समय-समय पर पूजा-पाठ और रामायण करवाते रहते हैं। सैंकड़ों वर्षों बाद इस अवसर का आना भी भगवान की कृपा है। लिहाजा भक्तों और पुजारियों ने हनुमानजी का विशेष शृंगार किया है। बाणगंगा के अलावा लसूड़िया, आजादनगर, संयोगितागंज, एरोड्रम सहित करीब 20 थानों में मंदिर बने हैं। पुलिसकर्मी ड्यूटी पर आते ही हाजिरी देते हैं। कई मंदिरों में तो टीआइ स्वयं चोला चढ़ाते है। आरोपितों के भागने, हिरासत में मौत जैसी अशुभ घटनाएं होने पर रामायण, पूजन और रतजगा जैसे आयोजन करवाते है ताकि बुरे दिन समाप्त हों। थाना प्रभारी प्रभार लेते ही करवाते हैं निर्माण कई थानों में तो थाना प्रभारी प्रभार लेने के साथ ही मंदिरों में नवनिर्माण कार्य करवाते हैं। उनका मानना है कि क्षेत्र की रक्षा की शक्ति हनुमान देते है। घटना-दुर्घटना होने पर सफलता भी हनुमानजी की बदौलत मिलती है।

22 जनवरी को राममय होगा इंदौर

500 से अधिक स्थानों पर होंगे भजन व सुंदरकांड पाठ 100 से अधिक स्थानों पर प्रभात फेरी व रथ यात्रा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। चाहे कोई भी काम हो हमारा शहर किसी चीज में पीछे नहीं रहता है। ऐसे में यदि बात अयोध्या में भगवान श्री राम के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव को भी हो तो शहरवासी धार्मिक उत्सव के तौर पर इस दिन को मनाने की तैयारियों में जुट गए हैं। इंदौरियों का उत्साह इस बात से भी लगाया जा सकता है कि इस दिन के लिए शहर में अधिकांश बैंड और डीजे प्रभातफेरी और रथयात्रा के लिए बुक हो चुके हैं। 100 से अधिक स्थानों पर प्रभातफेरी निकलेगी, वहीं भजन और सुंदरकांड के आयोजन भी 500 से अधिक शहर में होने जा रहे हैं।कई जगह ये आयोजन शुरू भी हो चुके हैं। पटाखों की बिक्री भी अधिक हो रही है। व्यापारियों का कहना है कि छोटी दीपावली जैसी बिक्री अभी हो रही है। छोटी गली से लेकर बड़े गार्डन तक में आयोजन हो रहे हैं। कलाकार नहीं मिल रहे मां अहिल्या भक्ति संगठन के बाबू राजोरिया ने बताया कि ऐसा लग रहा है कि दीपावली मन रही है। 22 जनवरी के लिए शहर में कलाकार ही नहीं मिल रहे हैं, क्योंकि हर क्षेत्र में आयोजन किए जा रहे हैं। शहर में लगभग 500 से अधिक स्थानों पर भजन, सुंदरकांड सहित अन्य आयोजन किए जा रहे हैं। सभी लोग अपने-अपने स्तर पर आयोजन कर रहे हैं। सुबह प्रभात फेरी और शाम को शादियां राजकमल बैंड के घनश्याम कामले और शिवा कामले ने बताया कि इस दिन के लिए कई लोगों ने पहले से ही बुकिंग करवा रखी है। इस दिन शादियां भी अधिक है। ऐसे में सुबह प्रभात फेरी और शाम को शादियों में बैंड और रथ लगाएं जाएंगे। शहर में यह पहली बार है जब एक साथ इतने अधिक धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। हमने श्रीराम के लिए कई नए भजन भी बनाएं है। शहर के लगभग सभी बैंड इस दिन के लिए बुक है। पटाखों के होलसेल व्यापारी शंकर होतचंदानी ने बताया कि पटाखों की बिक्री भी अधिक हो रही है। शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी खासा उत्साह है। छोटी दीपावली की तरह बिक्री हो रही है।

इंदौर में मर्यादापुरुषोत्तम राम के कई रूप, कहीं गोद में विराजित जानकी तो कहीं मुख पर तनी मूंछ

इंदौर। 'हरी अनंत हरी कथा अनंता कहहिं सुनहिं बहुबिधि सब संता। रामचंद्र के चरित सुहाए कलप कोटि लगि जाहिं न गाए।' तुलसीदास ने रामचरित मानस में इस चौपाई को लिखा जरूर है लेकिन यह चौपाई असंख्य सनातनियों के मन की आस्था और विश्वास की प्रतिमूर्ति है। इसका प्रमाण शहर में बने भगवान राम के मंदिर और उन मंदिरों में विराजित श्रीराम की दिव्य व नयनाभिराम विग्रह देते हैं। इस ऐतिहासिक नगरी के हृदय में श्रीराम-जानकी विराजित हैं और रोम-रोम से आती है राम धुन की आवाज। यहां यूं तो श्रीराम को समर्पित कई मंदिर हैं लेकिन कुछ मंदिरों की मान्यता और विशेषता वहां स्थापित श्रीराम की मूर्ति से और भी बढ़ जाती है। कहीं मर्यादापुरुषोत्तम श्रीराम की गोद में माता जानकी विराजित हैं तो कहीं अनुज लक्ष्मण के साथ अग्रज राम मूंछ ताने खड़े हैं। एक मूर्ति तो ऐसी भी है जिसमें श्रीराम कमल के फूल पर विराजित हैं और यह तमाम वे मूर्तियां हैं जो आस्था के साथ समृद्ध इतिहास का अस्तित्व लिए श्रृद्धा का केंद्र बनी हुई हैं।शहर के मध्य स्थित तिलकपथ पर बना पट्टाभिराम मंदिर अपने नाम के अनुरूप ही है। यहां काले पत्थर से बनी श्रीराम की मूर्ति की गोद में बाएं पैर पर माता जानकी बैठी हुई हैं। माता सीता के पट्ट पर विराजित होने के कारण श्री राम को पट्टाभिराम कहा जाता है। करीब तीन फीट ऊंचे इस विग्रह में श्रीराम के हाथ में धनुष-बाण नहीं है और ना ही साथ में लक्ष्मण विराजित हैं। इस मूर्ति में श्रीराम विश्राम भाव में बैठे हैं। इस मंदिर का निर्माण महाराजा यशवंतराव होलकर प्रथम की पत्नी महारानी कृष्णाबाई होलकर ने कराया था। महाराजा के सत्तारूढ़ होने पर महारानी ने वर्ष 1799 में मंदिर बनवाया था। वर्तमान में मंदिर के क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण इस विग्रह को अस्थाई रूप से मल्हारी मार्तंड मंदिर में विराजित किया गया है। मंदिर के मुख्य पुजारी पं. लीलाधर वारकर बताते हैं कि इस मूर्ति के पूजन से दाम्पत्य जीवन में मधुरता रहती है और यदि किसी दंपती के जीवन में अनबन है तो वह समाप्त हो जाती है मूंछ वाले श्रीराम और लखनलाल शहर की प्राचीन बसाहट के बीच एक मंदिर ऐसा भी है जहां सुकुमार राम के नहीं बल्कि क्षत्रीय रूप धारे श्रीराम के दर्शन होते हैं। जूनी इंदौर के प्राचीन शनि मंदिर में श्रीराम दरबार भी बना हुआ है। इस राम दरबार में संगमरमर से बनी श्रीराम के साथ माता सीता और लक्ष्मणजी की मूर्ति भी है। खास बात तो यह है कि श्रीराम और लक्ष्मण के तेजोमय मुखमंडल पर तनी हुई मूंछ भी हैं। एक हाथ में धनुष और दूसरे हाथ में बाण है। मंदिर प्रबंधन से जुड़ी सविता तिवारी बताती हैं कि इस मंदिर में शनिदेव की स्थापना करीब 500 वर्ष पूर्व पं. गोपालदास तिवारी ने की थी और तब से ही श्रीराम की यह मूर्ति भी यहां स्थापित है। 'जा पर कृपा राम की होई ता पर कृपा करे हर कोई' की बात यहां चरितार्थ होती नजर आती है क्योंकि शनिदेव के कोप से बचने के लिए भक्त श्रीराम के भी दर्शन यहां करते हैं। एक स्थान ऐसा भी है जहां 11वीं शताब्दी की मूर्ति है और उस मूर्ति में श्रीराम और भी अलग रूप में नजर आते हैं। यह मूर्ति केंद्रीय संग्रहालय में संरक्षित है। मंदसौर के हिंगलाजगढ़ से प्राप्त अवशेषों में से यह मूर्ति प्राप्त हुई थी। इस मूर्ति में श्रीराम कमल के फूल पर बैठे हुए हैं। श्रीराम का एक पैर फूल के ऊपर मुड़ा हुआ है और दूसरा पैर जमीन पर है। इसमें श्रीराम राजा के रूप मे नहीं बल्कि वनवासी के रूप में नजर आते हैं क्योंकि उनके मस्तक पर धातु का मुकुट नहीं बल्कि जटाएं हैं।

अयोध्या के श्री राम मंदिर में स्थापित होगा इंदौर में बना राम नाम बैंक

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। राम नाम का उल्लास अहिल्या की नगरी में हर ओर छाया हुआ है। ऐसे में शहर में 18 हजार कापियों में माध्यम से इंदौर में बना 21 करोड़ राम नाम का बैंक अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में स्थापित होगा। राम नाम लिखित कापियों को राम रथ में रखकर विदाई महामंडलेश्वर भास्करानंद और समाजसेवियों ने पूजा अर्चना शनिवार को कर दी। लक्ष्मणसिंह सोनगरा ने बताया कि यह इंदौर शहर के लिए गौरव का विषय है कि यह राम नाम बैंक को अयोध्या के पावन मंदिर में स्थापित करने के लिए राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से सहमति मिल चुकी है। यह देश का पहला ऐसा बैंक होगा जहां पर इस तरह से राम नाम की कापियों को बैंक की तरह रखा जाता है।तीर्थ स्थलों की निशुल्क यात्रा करवाई जाती है इसका निर्माण स्नेहलता गंज में निवास कर रहे सोनगरा परिवार ने किया है आमतौर पर किसी भी बैंक में जमा राशि पर जमाकर्ता को ब्याज प्राप्त होता है उसी तरह इस 'राम नाम बैंक' में भी जो श्रद्धालु 'राम नाम की कॉपियां' जमा करता है उसे सोनगरा परिवार द्वारा ब्याज के रूप में तीर्थ स्थलों की निशुल्क यात्रा करवाई जाती है। इसके पूर्व 15 करोड़ राम नाम शहर के पितृ पर्वत को भी दिए जा चुके हैं।

भगवान श्रीराम के स्वागत को इंदौर में हजारों माएं बनेंगी कौशल्या

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। त्रेतायुग में आश्विन माह में शुक्ल पक्ष की दसवीं तिथि को लंकापति रावण का वध करने के बाद श्रीराम कार्तिक अमावस्या के दिन अयोध्या वापस लौटे थे। तब मां कौशल्या अपलक अपने 'रामलला' को निहार रहीं थीं, मां सुमित्रा और मां कैकई भी राम-लक्ष्मण और सीता की न्यौछावर कर रहीं थीं। ठीक ऐसा ही दृश्य अब 22 जनवरी को देखने को मिलेगा।रोचक बात यह होगी कि इस बार केवल अयोध्या नहीं पूरे देश में माएं कौशल्या के रुप में स्वागत करने की तैयारी में हैं। इंदौर में जगह-जगह महिला क्लब विभिन्न आयोजन करने की तैयारी कर रहीं हैं। इस उपलक्ष्य में शहर की महिलाएं इस दिन दीपक जलाने, घर सजाने, पूजा, अनुष्ठान सहित कई सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम करेंगी। शोभा यात्रा के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम विज्ञान नगर रहवासी संघ की सांस्कृतिक सचिव डा. कविता शर्मा ने बताया कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में विज्ञान नगर उद्यान में श्रीरामोत्सव कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें छोटे बच्चे चल समारोह करेंगे। लवकुश ग्रुप के बच्चे नृत्य नाटिका के माध्यम से रामायण की प्रस्तुती देंगे। महिला समूह द्वारा नृत्य की प्रस्तुति भी होगी। खुली जीप और डीजे गाड़ी से शोभायात्रा निकालेंगे। उद्यान में वापस आकर श्रीराम को 56भोग लगेगा। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम, आरती और श्रीराम स्तुति होगी। कार्यक्रम में कालोनी से प्रत्येक घर से पांच-पांच दीपक की आरती की थाली और एक-एक भगवा ध्वज लेकर आएंगे। आठ हजार ध्वज किए तैयार श्रीराम ने नारी सम्मान के लिए समुद्र पर सेतु बांध दिया और आज जब हमें प्रभु के लिए कुछ करने का मौका मिला है तो हम पीछे क्यों हटें। इसी विचार के साथ महाराष्ट्र समाज राजेंद्र नगर महिला समूह द्वारा भगवा ध्वज सिले जा रहे हैं और अभी

तक ये महिलाएं करीब आठ हजार ध्वज तैयार कर चुकी हैं। ये ध्वज क्षेत्र के घर, दुकान, मंदिर पर लगाए जाएंगे। इन ध्वजों को महिलाएं निश्शुल्क तैयार कर रही हैं। समूह की मृदुला देशपांडे बताती हैं कि समूह की करीब 20 महिलाओं द्वारा यह ध्वज तैयार किए जा रहे हैं। इसके अलावा राजेंद्र नगर स्थित श्रीराम मंदिर में समूह की महिलाओं द्वारा भजन भी किए जा रहे हैं। 22 जनवरी की शाम सात बजे राजेंद्र नगर स्थित श्रीराम मंदिर में क्षेत्र की महिलाओं द्वारा सामूहिक जाप होगा। सुंदरकांड और भजन संध्या होगी विप्र नारी शक्ति सेवा संस्था की कार्यकारिणी का सुखलिया मंडल सुंदरकांड और भजन संध्या का आयोजन करेगा। संगठन की प्रमिला शर्मा ने बताया कि दोपहर दो बजे से सुंदरकांड कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसके बाद शाम को भजन संध्या होगी जिसमें श्रीराम के कई भजनों को गाया जाएगा। इसमें मोहल्ले के साथ ही शहर की कई महिलाएं शामिल होंगी। कार्यक्रम समाप्ति के बाद प्रसाद वितरण भी होगा। सुबह होंगे भजन फिर महाप्रसाद सिल्वर आक्स कालोनी के रहवासी यूं तो कई कई उत्सव अलग-अलग समूह बनाकर मनाते हैं लेकिन प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव इस बार सामूहिक रूप से मनाया जा रहा है। ज्योत्सना सोहनी बताती हैं कि 22 जनवरी को कालोनी की सुभाष वाटिका में वृहद स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में शहर की भजन मंडलियों को आमंत्रित किया गया है। सुबह 11 बजे तक भजन का रसपान रहवासी करेंगे और उसके बाद प्रोजेक्टर पर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का प्रसारण देखेंगे। उत्सव की इस बेला में महिलाएं खासी सहभागिता निभा रही है।

राम की भक्ति से सराबोर भोपाल

बड़ी झील में तैरी रामशिलाएं, भवानी मंदिर में लगेगा 11 क्विंटल मिठाइयों का भोग

सिटी चीफ भोपाल ।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर में सोमवार को होने जा रही रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक पावन अवसर पर भोपाल में भी जश्न का माहौल है। घरों, गलियों में भगवा झंडे लगाए गए हैं। शहर के मंदिरों की आकर्षक विद्युत साज-सज्जा की गई। प्राण-प्रतिष्ठा के दिन फूलों से मंदिर सजाए जाएंगे। कई मंदिरों में धार्मिक आयोजन शुरू हो गए हैं। इसी सिलसिले में पुराने शहर के सोमवार जय भवानी कफ्यू वाली माता मंदिर में पूर्व महापौर आलोक शर्मा की ओर से रविवार को 11 क्विंटल लड्डुओं सहित अन्य मिठाइयों का प्रभु श्रीराम को भोग लगाया जाएगा। इसके बाद प्रसादी वितरित की जाएगी। शनिवार को लड्डू बनाए गए। वहीं शर्मा ने मंदिर के सामने प्रभु श्रीराम की झांकी व अयोध्या श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति बनवाई है। वहीं 22 जनवरी सोमवार को मंदिर समिति की ओर से प्रभु को छह क्विंटल लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा। प्राण-प्रतिष्ठा के दिन मंदिरों में विधि-विधान से पूजा अर्चना होगी।राम नाम लिखित शिलाओं के साथ किया बड़े तालाब पर भ्रमण अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण-

प्रतिष्ठा अवसर पर भगवान श्रीराम, हनुमान, नर नील सहित वानर सेना की वेश-भूषा में बच्चो ने भोपाल के बड़े तालाब पर राम नाम की लिखित शिलाओं का भ्रमण करवाया। इस अवसर पर पूर्व महापौर आलोक शर्मा ने कहा कि जिन पर कृपा राम करे, वो पत्थर पर तीर जाते हैं। इसी सत्य को सार्थक करते हुए इस कार्यक्रम के माध्यम से आने वाली पीढ़ी को राम के नाम महिमा से अवगत कराया। इस अवसर पर लेजर शो भी हुआ, जिसमें लेजर के माध्यम से भगवान राम के विभिन्न स्वरूपों के दर्शन करवाए गए। इधर रविवार को आशापुरा दरबार में शनिवार को सुंदरकांड शुरू हुआ। इसके अलावा श्री दिगंबर जैन समाज पंचायत एवं ट्रस्ट की ओर से भी श्री रामोत्सव मनाया जाएगा। समाज के अध्यक्ष मनोज बांगा ने प्राण-प्रतिष्ठा के दिन समाज के लोगों से धार्मिक अनुष्ठान कराने की अपील की है। कोलार अकबरपुर का नाम श्रीराम नगर कहने लगे लोग प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में कोलार अकबरपुर को स्थानीय लोग श्रीराम नगर कहने लगे हैं। लोगों ने कई जगह श्रीराम नगर लिखा है। इसके लिए धार्मिक अनुष्ठान किए जा रहे हैं। स्थानीय रहवासी शिवचरण पाल ने बताया कि रविवार दोपहर 12 बजे से श्रीराम नगर में प्रभु श्रीराम के भजन होंगे। प्राण-प्रतिष्ठा के दिन प्रभु श्रीराम के विधि-विधान से पूजा होगी। प्रशासन हमारी मांग अकबरपुर का नाम श्रीराम नगर करने की है। लोगों में इतना उत्साह है कि लोगों ने खुद ही घरों के बाहर अकबरपुर की जगह श्रीराम नगर लिखना शुरू कर दिया है। प्राण-प्रतिष्ठा के दिन यहां होंगे प्रमुख आयोजन दयानंद चौक व्यापारी संघ जुमेराती द्वारा सुंदरकांड, 11 हजार से दीपों से उत्सव और आतिशबाजी। कर्फ्यू श्री हनुमंत सेवा आश्रम सात नंबर शिवाजी नगर भगवान श्रीराम के विग्रह का अभिषेक, दीपोत्सव सुंदरकांड का पाठ सुभाष नगर शिव मंदिर समिति द्वारा सुबह नौ बजे से सुंदरकांड। राधा-कृष्ण मंदिर दाता कालोनी एयरपोर्ट रोड पर 11 हजार दीयों से उत्सव मनेगा। शीतला माता मंदिर टीला जमालपुरा में 5100 दीप जलेंगे। 11 क्विंटल लड्डुओं से रामदरबार को 56 भोग, एक घंटे तक आतिशबाजी होगी। रिवेरा टाउन में हनुमान मंदिर महावीर हनुमान की प्राण-प्रतिष्ठा, कलश पूजन। पल्लवी नगर बावडियाकला स्थित सर्व सिद्धेश्वर शिव मंदिर में मां दुर्गा की प्राण- प्रतिष्ठा कार्यक्रम।

जनजातीय संग्रहालय में लोकनृत्यों की प्रस्तुति रवींद्र भवन में देखें हनुमान नाट्य लीला

सिटी चीफ भोपाल ।

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। रविवार 21 जनवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी। रामायण प्रदर्शनी - जीपी बिड़ला संग्रहालय में रामायण के कथानकों पर केंद्रित आठ दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी में कम्बोडिया, इंडोनेशिया और थाईलैंड के मंदिरों में रामायण के अनेक कथानकों का चित्रण कुल 125 चित्रों में समाहित किया गया है। इसके साथ ही भारतीय संस्कृति में गजलक्ष्मी, भगवान विष्णु, नागराज, इंद्र, गरूड़, समुद्र मंथन के चित्रों को प्रदर्शित किया है। देवी सीता हरण और राम-रावण युद्ध सहित रामायण के विभिन्न प्रसंगों को भी शामिल है। ये प्रदर्शनी अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है। इस प्रदर्शनी को सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक देखा जा सकता है। राम छायाचित्र प्रदर्शनी - राज्य संग्रहालय में राम विश्व पटल पर छायाचित्र प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। आगंतुक सुबह 10:30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच रामचंद्र भगवान के छायाचित्रों को देख सकते हैं। माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मावन संग्रहालय के वीथि संकुल में माह का प्रादर्श के रूप में टेराकोटा पात्र पर चित्रित मनसा घट को प्रदर्शित किया गया है। बंगाली लोक कला के इस शानदार नमूने का अवलोकन सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक किया जा सकता है। चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में भील चित्रकार मुकेश बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय किया जा रहा है। प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे तक देखा जा सकता है। लोकनृत्य - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में संभावना के अंतर्गत गंगाराम धुर्वे और साथी, डिंडोरी गोंड करमा-सैला नृत्य और कमलेश नामदेव एवं साथी, नरसिंहपुर अहिरयाई नृत्य की प्रस्तुति देंगे। समय शाम दोपहर दो बजे से है। दर्शकों के लिए प्रवेश निश्शुल्क रखा गया है। काव्य गोष्ठी - प्रभात साहित्य परिषद द्वारा हिंदी भवन के नरेश मेहता कक्ष में दर्पण विषय पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। समय दोपहर ढाई बजे से है। देशभक्ति गीत - मध्यप्रदेश पुलिस बैंड द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में शाम पांच बजे बोट क्लब पर पुलिस बैंड द्वारा देशभक्ति एवं अन्य गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी।

स्कूल से घर लौटकर दसवीं के छात्र ने लगाई फांसी

सिटी चीफ भोपाल ।

राजधानी के सूखीसेवनिया थाना इलाके में एक किशोरवय बालक ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतक किशोर दसवीं का छात्र था। उसने स्कूल से लौटने के बाद अपने घर पर फांसी लगाई। घटना के समय परिवार के लोग घर पर नहीं थे। छात्र के पिता का पहले ही निधन हो चुका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद छात्र का शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इस कारण खुदकुशी की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।यह है मामला सूखीसेवनिया थाना पुलिस के मुताबिक ग्राम पुरा मनभावन बायपास रोड निवासी 16 वर्षीय रवि सिंह पुत्र दिवंगत फूल सिंह

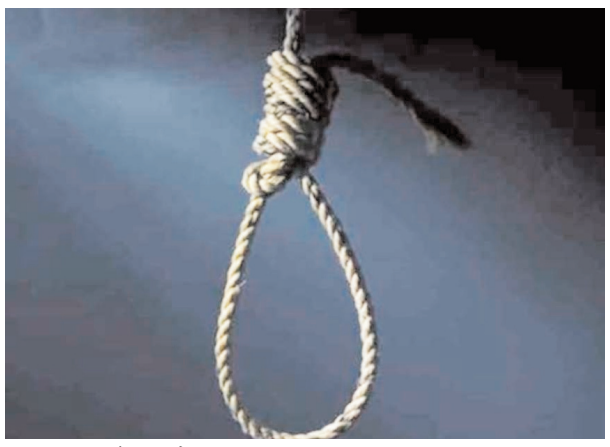

अपने दादा और मां के साथ रहता था। वह कक्षा दसवीं का छात्र था। रोजाना की तरह वह शुक्रवार सुबह भी वह स्कूल गया था। इस दौरान उसकी मां और दादा अपने काम पर चले गए थे। दोपहर में स्कूल से लौटने के बाद शिवा ने अपने घर में पंखे से दुपट्टा बांधकर फांसी लगा ली। दोपहर करीब तीन बजे दादा जब घर पहुंचे, तो उन्होंने पोते को फांसी पर लटका देखा। घटना के बाद से छात्र की मां का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस का कहना है कि स्वजन के बयान लेने के बाद ही खुदकुशी के कारणों का पता चल सकेगा।

10 वर्ष बाद हट रहा बीआरटीएस

अब चार लेन होगी सड़कें, जाम और पार्किंग की समस्या से मिलेगी मुक्ति

सिटी चीफ भोपाल ।

भोपाल। शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने और लोगों को सुलभ परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बनाया गया बीआरटीएस 10 वर्ष बाद ही असफल हो गया।वर्ष 2023 में बना मिसरोद से बैरागढ़ तक का 24 किलोमीटर बीआरटीएस कारिडोर ट्रैफिक जाम, हादसे और अव्यवस्थित पार्किंग की वजह बन गया। इसी वजह से इस कारिडोर को आखिर तोड़ने का निर्णय लिया गया और अब इसके हटते ही 24 किलोमीटर तक की सड़कें चार लेन हो जाएंगी। इससे ट्रैफिक जाम और पार्किंग की समस्या से मुक्ति मिलेगी ही साथ ही सड़क हादसों में भी कमी आएगी। बता दें कि मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने

योजना बनाकर 20 जनवरी से बीआरटीएस कारिडोर को तोड़ने के निर्देश दिए थे।निकलेगी एक हजार चारपहिया वाहन की जगह बैरागढ़ में मुख्य सड़क पर ही 1000 दुकानें हैं। इनके सामने अभी बेहद मामूली जगह है जिसमें मुश्किल से दोपहिया वाहन खड़े हो पाते हैं। बीआरटीएस हटने के बाद इनके सामने कम से कम एक कार खड़ी करने की जगह मिल जाएगी। इस तरह बैरागढ़ में एक हजार से अधिक चारपहिया वाहनों सहित इतने ही दोपहियाय वाहनों को खड़े करने की जगह मिलने से बड़ी राहत मिलेगी। यातायात विशेषज्ञों का कहना है कि इससे बड़ी सुविधा लेन बढ़ने से वाहनों के तेजी से निकलने की होगी। सड़क की क्षमता बढ़ेगी तो व्यस्त समय में बैरागढ़ में लगने वाले जाम की समस्या से भी मुक्ति मिल जाएगी। ऐसे फेल होता गया बीआरटीएस भोपाल में बीआरटीएस की अधिकतम चौड़ाई 30 मीटर, जबकि इंदौर में न्यूनतम चौड़ाई 32 मीटर है। इसलिए मिक्स लेन में जाम की नौबत बनती है। जब डेडिकेटेड लेन में 15 मिनट में एक बस आती है, तो वहां निजी बसों और मैजिक समेत अन्य परिवहन के साधनों को छूट दी जा सकती थी। इससे मिक्स लेन में दबाव कम होता। सड़कों की चौड़ा किया गया, लेकिन चौराहे सकरे थे। जिससे फिर सड़कें जाम हो जाती हैं। कम चौड़े बीआरटीएस के बगल में ही हाकर्स कार्नर, पार्किंग और अन्य लोगों के कब्जे होने लगे, जिससे सड़क दुर्घटनाएं बढ़ने लगी।

भोपाल में बीआरटीएस लेन हटाने का काम देर रात हुआ शुरू

हलालपुर से लालघाटी आवाजाही प्रतिबंधित

सिटी चीफ भोपाल ।

भोपाल। लोक निर्माण विभाग एवं नगर निगम ने मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के निर्देश पर बीआरटीएस को हटाने का काम शुरू कर दिया है। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) ने शनिवार को हलालपुर पटाखा मार्केट के सामने स्थित एक बस स्टाप हटाकर इसकी शुरूआत की। देर रात को लोक निर्माण विभाग ने कुछ हिस्से की खोदाई कर जालियां निकालने का काम प्रारंभ किया। हलालपुर से लालघाटी की ओर जा रही लेन पर सुबह 11 बजे ही आवाजाही बंद कर दी गई। लेन की शुरूआत

में ही बैरिकेड रखकर यहां लो-फ्लोर बसों की आवाजाही प्रतिबंधित कर दी गई। बीसीएलएल ने बस स्टाप के टाइल्स उखाड़ना शुरू किया। बस स्टाप को हटाने का काम रात तक चलता रहा।देर रात को लोक निर्माण विभाग ने हलालपुर से सड़क के एक छोर पर खोदाई शुरू की। माना जा रहा है लेन हटाने का काम 22 जनवरी के बाद तेज गति से किया जाएगा। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के कारण अगले दो दिन कई आयोजन होने हैं। शोभायात्राएं भी निकलेगी। इस कारण बैरागढ़ बाजार से सीहोर नाके तक का हिस्से दो-तीन दिन बाद ही लेन हटाने की संभावना है। ट्रैफिक सिग्नल पुलिस हटाएगी लेन हटाने के लिए पीडब्ल्यूडी के साथ नगर निगम एवं ट्रेफिक पुलिस भी सहयोग करेगी। यह तय किया गया है किलेन के बीच लगे यूनिपोल होर्टिग नगर निगम हटाएगा। ट्रेफिक सिग्नल यातायात पुलिस के सहयोग से हटाए जाएंगे।

सेंट्रल लाइब्रेरी में सजाई विशेष प्रदर्शनी में साकार हुई श्रीराम की महालीला

भोपाल। राम की याद को सीने में बसाकर लाए, भाई के गम में सिंहासन पे न बैठे थे भरत, राजगद्दी पे खड़ाऊं को ही रक्खे थे भरत, राम के वास्ते रहते थे भरत इतने उदास, इस उदासी में न पहना कभी राजा का लिबास, कोई क़िस्सा हो तो ले आओ गवाही के लिए, ऐसा बलिदान दिया किसने है भाई के लिए....। शकील आजमी की लिखी वनवास पुस्तक की कई पंक्तियों को संजोकर शासकीय मौलाना आजाद सेंट्रल लाइब्रेरी में एक राम साहित्य प्रदर्शनी व रामायण के विभिन्न कांड को चित्रों के माध्यम से दिखाया गया है। यहां 151 साहित्यकारों द्वारा राम, रामायण व अयोध्या पर रचित प्रमुख दुर्लभ व नवीन साहित्य को एक साथ प्रदर्शित किया गया, जिसे देखने के लिए पहले दिन 200 से अधिक विद्यार्थी पहुंचे।प्रदर्शनी में प्राचीन पुस्तकें शामिल वहीं, एक राम प्रदर्शनी में मर्यादा पुरुषोत्तम राम का व्याख्यान करते हुए लिखा है कि बाप के एक वचन की खातिर, जो महल छोड़के जंगल में रहे चौदह बरस, राम थे ऐसे बेटे, लाख समझाने-मनाने पे भी जो राजसिंहासन तज दे, एक वरदान की मर्यादा में, अपने भाई को विदा कर दे खड़ाऊं देकर, और जंगल में चले नंगे पांव, राम का धर्म था वो...। सेन्ट्रल लाइब्रेरी में आयोजित इस छह दिवसीय प्रदर्शनी में कई पुरानी पुस्तकों को शामिल किया गया है। 62 चित्रों के माध्यम से दशाई वाल्मिकी रामायण साथ ही यहां प्रदर्शित 62 चित्रों के माध्यम से वाल्मिकी रामायण के बाल से युद्ध कांड तक की समस्त महत्वपूर्ण घटनाओं को दिखाया गया है। इस प्रदर्शनी को सुबह-11 से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। इस प्रदर्शनी में राल्फ टीएच ग्रिफिथ एम द्वारा 1873 में लिखी गई रामायण आफ वाल्मिकी, रामचरित्र आफ अभिनन्दा 1930, गोविन्द रामायण वर्ष 1943 व श्रीमद वाल्मिकी रामायण वर्ष 1950 को पढ़ा जा सकेगा।इसके अलावा गोविन्द रामायण, चम्पूरामायणम, युगपुरुष राम आदि। इस प्रदर्शनी का समापन 25 जनवरी को होगा।

मध्य प्रदेश में तीखे हुए ठंड के तेवर, अब दिन में भी महसूस होने लगी सिहरन

सिटी चीफ भोपाल ।

भोपाल । अरब सागर से आ रही नमी और उत्तर भारत की तरफ से लगातार आ रही सर्द हवाओं के कारण मध्य प्रदेश में ठिठुरन बरकरार है। रात में जहां कड़ाके की सर्दी पड़ रही है, वहीं कोहरा, बादल बने रहने के कारण दिन में भी सिहरन बनी हुई है। इसी क्रम में शनिवार को प्रदेश में सबसे कम तीन डिग्री सेल्सियस तापमान नौगांव में रिकार्ड किया गया। नौगांव एवं सागर में शीतलहर का प्रभाव रहा। प्रदेश के 17 शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। प्रदेश में सबसे कम 50 मीटर दृश्यता रीवा में दर्ज की गई। राजधानी में भी रात के तापमान में गिरावट का सिलसिला बना हुआ है। शनिवार को न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस वर्ष जनवरी माह का सबसे कम तापमान रहा। उधर, नर्मदापुरम, उमरिया, नरसिंहपुर, मंडला जिले में शनिवार को

वर्षा भी हुई। भोपाल में अवधपुरी क्षेत्र में बूंदाबांदी हुई। खजुराहो, नौगांव, सतना, जबलपुर, उमरिया में तीव्र शीतल दिन रहा।ग्वालियर, सागर, रीवा एवं सीधी में शीतल दिन रहा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अभी दो-तीन दिन तक मौसम का मिजाज इसी तरह बना रह सकता है। इस दौरान ठंड के तेवर और तीखे हो सकते हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी बीएस यादव ने बताया कि उत्तर भारत में सक्रिय जेट स्ट्रीम के असर से पूरे मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। अगले दो दिन में न्यूनतम तापमान में और भी गिरावट होने के आसार हैं, जिसकी वजह से कई शहर शीतलहर की चपेट में आ सकते हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में हरियाणा में हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। एक चक्रवात उत्तरी-मध्य महाराष्ट्र पर भी बना है। कर्नाटक से लेकर मध्य महाराष्ट्र से होकर विदर्भ तक एक द्रोणिका बनी हुई है। इसकी वजह से अरब सागर से नमी आ रही है। इस वजह से प्रदेश के अधिकतर शहरों में बादल बने हैं और कोहरा भी छा रहा है। साथ ही जबलपुर, नर्मदापुरम, भोपाल संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा हो रही है। इसके अलावा लगभग 12 किलोमीटर की ऊंचाई पर वेस्टर्न जेट स्ट्रीम (पश्चिम से पूर्व की तरफ काफी तेज रफ्तार से बहने वाली हवाओं का समूह) भी मौजूद है। जेट स्ट्रीम जहां भी सक्रिय रहता है, वहां के मौसम के मिजाज के लिए उत्प्रेरक का काम करता है। यही वजह है कि प्रदेश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में लगभग चार दिन से घने कोहरे का असर बरकरार है।

राज्य संग्रहालय में सजी अनूठी प्रदर्शनी

सिटी चीफ भोपाल ।

ब्राह्मण धर्म के पुनरोद्धार के साथ ही वैष्णव धर्म के अवतारों का चित्रण शिल्प में होने लगा था। ईसा पूर्व द्वितीय शताब्दी में भगवान राम के कथानकों का चित्रण आरंभ हुआ। प्रारंभ में यह चित्रण मृण्यमय कलाकृतियों के रूप में हुआ। किंतु गुप्तकाल में रामायण के कथानकों का मंदिरों की भित्तियों पर बड़े पैमाने पर चित्रण हुआ। श्रीराम भगवान विष्णु के छठवे अवतार थे। इसलिए उनकी मूर्तियों का शिल्पांकन विष्णु के दशावतारों में किया गया। भगवान श्रीराम से संबंधित इन्हीं कलाकृतियां, शिला फलक पर चित्रण, भित्त चित्रों आदि की छाया प्रदर्शनी शुक्रवार से राज्य संग्रहालय में आरंभ हुई है। अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा उत्सव के मौके पर आयोजित इस विशेष प्रदर्शनी को देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। प्रदर्शनी में मप्र, देश और विदेश आदि के संग्रहालयों में प्रदर्शित विष्णुअवतार के मूर्तियों के छाया चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। प्रदर्शनी में प्राचीन कलाकृतियों, पेंटिग्स, पत्थर की पट्टियों जैसे प्रमुख आकर्षण मौजूद हैं, जिनके माध्यम से भगवान राम के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व का एक व्यापक वर्णन मिलता है।सात दिवसीय प्रदर्शनी 'राम विश्व पटल पर' का शुभारंभ संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला ने किया। प्रमुख सचिव ने कहा कि मध्य प्रदेश राज्य के प्रागैतिहासिक स्मारकों और कलाकृतियों के संरक्षण में एक अग्रणी राज्य रहा है। यह प्रदर्शनी मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने एवं हमारे ऐतिहासिक मूल्यों से आमजन को अवगत कराने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। पुरातत्व संचालनालय, मप्र की आयुक्त उर्मिला शुक्ला ने बताया कि प्रदर्शनी आयोजित करने के लिए यह एक शुभ अवसर हैं, क्योंकि अयोध्या में भगवान राम की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा होने जा रहा है। पहले दिन काफी संख्या में लोग पहुंचे और भगवान राम की विरासत को समाहित करने वाले समृद्ध इतिहास और कलात्मक प्रस्तुतियों को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए।

संपादकीय

शिक्षा में बड़ी चुनौती

देश के ग्रामीण हिस्सों में स्कूली बच्चों की शिक्षा की स्थिति पर एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (स्श्क्र) का ताजा संस्करण पहली नजर में जरूर चिंतित करता है, लेकिन समग्रता में देखने पर साफ हो जाता है कि हालात निराशाजनक नहीं बल्कि चुनौतीपूर्ण हैं। 14 से 18 साल के आधे से ज्यादा बच्चे अगर तीसरी-चौथी क्लास के मैथ के सिंपल डिविजन प्रॉब्लम सॉल्व न कर सकें तो यह कोई अच्छी स्थिति नहीं कही जा सकती। वजह यह है कि डिविजन करने की क्षमता को व्यावहारिक जीवन में काम आने वाली बुनियादी गणनाओं के लिए जरूरी माना जाता है। खास बात यह कि इन स्टूडेंट्स का एक बड़ा हिस्सा जॉब मार्केट से कुछ ही कदम दूर है। लेकिन इस तथ्य को भुलाया नहीं जा सकता कि इस उम्र समूह के लोगों को रिपोर्ट में पिछली बार 2017 में कवर किया गया था। और इस दौरान देश-दुनिया ने कोरोना महामारी की जबर्दस्त चुनौती झेली है। खासकर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की पढ़ाई तो कोरोना काल में लगभग ठप ही हो गई थी। महामारी के संदर्भ में रिपोर्ट की दो बातें खास तौर पर ध्यान खींचती हैं। एक तो यह कि 89 फीसदी बच्चे ऐसे हैं जिनके घर में स्मार्टफोन है। वहीं, 92 फीसदी बच्चों ने बताया कि वे स्मार्टफोन चलाना जानते हैं। निश्चित रूप से इसके पीछे महामारी के दौरान ऑनलाइन पढ़ाई की मजबूरी का बड़ा हाथ माना जा सकता है। दूसरी बात यह कि एनरोलमेंट की संख्या (86.8 फीसदी) का 2017 (85.6 फीसदी) से ज्यादा होना बताता है कि महामारी के दौरान आजीविका के नुकसान के चलते ज्यादातर बच्चों के दोबारा स्कूल न लौटने का डर गलत साबित हुआ है। हालांकि इसी रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि करीब एक तिहाई बच्चे 12वीं से आगे नहीं पढ़ते। लड़कों के मामले में ड्रॉप आउट की सबसे बड़ी वजह रुचि की कमी पाई गई तो लड़कियों के मामले में पारिवारिक मजबूरी। निश्चित रूप से डेमोग्रैफिक डिविडेंड पर ध्यान केंद्रित किए एक युवा देश के लिए यह चिंता की बात है। मैथ्स की बात हो या लैंग्वेज की, पढ़ाई में पिछड़ापन अपने देश के लिए कोई नई बात नहीं। स्श्क्र की ही पिछली रिपोर्टों में यह बात रेखांकित की जाती रही है। लेकिन यह कोई बचाव नहीं हो सकता। चुनौती बड़ी इसलिए भी है कि स्कूली पढ़ाई की नियमित प्रक्रिया में इसका इलाज नहीं है क्योंकि बड़ी कक्षा में आने के बाद टीचर्स उसी क्लास के टेक्स्ट बुक को फॉलो करते हैं। उनके लिए बच्चों की बुनियादी समझ पर ध्यान देना मुश्किल होता है। जाहिर है, विशेष प्रयास करने पड़ेंगे, लेकिन दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बनने की राह पर बढ़ रहा देश इस चुनौती से मुंह नहीं मोड़ सकता।

तनाव घटाने की कोशिश

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से देश में कोचिंग सेंटरों के लिए जो नई गाइडलाइन जारी की गई है, उसे सही दिशा में उठाया गया कदम कहा जा सकता है। इसका मकसद कोचिंग सेंटरों के रेगुलेशन का स्टैंडर्ड सेट करना बताया गया है। भारत में स्टूडेंट्स जिस तरह के तनाव से गुजरते हैं, उसका अंदाजा उनकी खुदकुशी के आंकड़ों से हो जाता है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, 2019 से 2021 के बीच ही 35,000 से ज्यादा स्टूडेंट्स ने खुदकुशी की। अफसोस की बात यह है कि खुदकुशी करने वालों की संख्या साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। 2019 में स्टूडेंट्स की खुदकुशी की जो संख्या 10,335 थी, वह 2020 में 12,526 हो गई और 2021 में बढ़कर 13,089 तक जा पहुंची। स्ट्रेस की वजह = इस तनाव का एक बड़ा केंद्र जाने अनजाने देश भर में फलते-फूलते कोचिंग सेंटर भी हो गए हैं। कोटा जैसे कोचिंग हब से स्टूडेंट्स की खुदकुशी की खबरें जब-तब आती रहती हैं और राज्य सरकार के साथ दूसरी पहल के बावजूद वहां इस पर रोक लगाने में कामयाबी नहीं मिल पाई है। मुखर्जी नगर में भी कोचिंग करने पहुंचे स्टूडेंट्स कितने स्ट्रेस में रहते हैं, यह कोई छिपी हुई बात नहीं है। अभिभावकों की गलती = न केवल स्टूडेंट्स बल्कि पैरंट्स भी इस बात को लेकर बेकरार रहते हैं कि उनका बच्चा किसी तरह से कॉम्पिटिशन निकाल ले। इस क्रम में वे अक्सर बच्चों को कम उम्र में भी कोचिंग में भर्ती करा देते हैं ताकि वे दूसरे बच्चों से आगे रहें। इसके लिए कोचिंग संस्थानों की ऊंची फीस भरने को भी तैयार रहते हैं। उम्मीद टूटने की हताशा = इन सबका प्रेशर आखिरकार बच्चों पर ही पड़ता है। उन्हें लगता है कि अगर किसी वजह से वे नाकाम हुए तो न केवल पैरंट्स की उम्मीदें टूटेंगी बल्कि उनकी मेहनत की कमाई भी बेकार जाएगी। लिहाजा वे खुद को कॉम्पिटिशन की तैयारी में झोंक देते हैं, लेकिन कामयाबी की उम्मीद नजर न आने पर उनके टूट जाने का खतरा बना रहता है। इस लिहाज से यह महत्वपूर्ण है कि शिक्षा मंत्रालय की गाइडलाइन में उन पहलुओं पर खास ध्यान दिया गया है जिनसे कोचिंग सेंटरों के तनाव का स्रोत में तब्दील होने के आसार बढ़ते हैं। उदाहरण के लिए, 16 साल से कम उम्र के बच्चों के दाखिले, कोचिंग सेंटरों के भ्रामक दावों, ग्रैजुएट से कम क्वॉलिफिकेशन वाले टीचर्स की भर्ती और फीस में मनमानी बढ़ोतरी पर रोक लगा दी गई है। गाइडलाइन के उल्लंघन को दंडनीय अपराध माना गया है। जाहिर है, इस गाइडलाइन से समस्या पूरी तरह दूर होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। यह गंभीर और जटिल समस्या है जिसके कई सारे आर्थिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक पहलू हैं। फिर भी यह कदम समस्या को हल करने और स्टूडेंट्स के लिए माहौल को बेहतर बनाने में मददगार जरूर साबित हो सकता है, बशर्ते इस पर सही ढंग से अमल सुनिश्चित किया जाए।

ओरछा में एक लाख दीप किए जाएंगे प्रज्जवलित, सीएम डॉ मोहन यादव की मौजूदगी में श्रीराम राजा मंदिर में होगा विशेष आयोजन

टीकमगढ़। बुंदेलखंड की अयोध्या के नाम से विख्यात रामराजा सरकार की नगरी ओरछा में अयोध्?या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 22 जनवरी को विशेष आयोजन होंगे।इस मौके पर बेतवा नदी के कंचना घाट पर एक लाख दीप प्रज्?वलित किए जाएंगे। श्रीराम राजा मंदिर ओरछा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामयी उपस्थिति में विशेष आयोजन किए जाएंगे। 22 जनवरी को ओरछा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के अलावा पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान भी आएंगे। वे हेलीकॉप्टर से ओरछा पहुंचकर श्रीरामराजा सरकार के दर्शन करेंगे और मंदिर परिसर से ही अयोध्या में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखेंगे। इसके बाद सीएम व पूर्व सीएम रवाना होंगे। जबकि शाम को कंचना घाट पर 1 लाख दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसी के साथ बेतवाजी की आरती भी होगी। उल्लेखनीय है कि श्रीराम जन्म भूमि अयोध्या में 22 जनवरी को भव्य श्रीराम मंदिर के उदघाटन और रामलला की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को एतिहासिक बनाने में जुटी मध्यप्रदेश की मोहन सरकार इस अभूतपूर्व आयोजन के मौके पर मध्यप्रदेश के प्रत्येक धार्मिक स्थल मंदिरों, आश्रमों, देवालयों में धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों तक प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम से जोड़ने के प्रयास में है। बुंदेलखंड की अयोध्या के नाम से विख्यात रामराजा सरकार की नगरी ओरछा में भी प्रशासन द्वारा श्रीराम जन्म भूमि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भव्य व दिव्य मनाने के लिए बैठक हो चुकी है। कलेक्टर के अनुसार 22 जनवरी को श्रीरामराजा मन्दिर को लाइटिंग व फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा। इसके अलावा नगर को बेहतरीन तरीके से झंडे व बैनर से सजाया जाएगा। मन्दिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिये प्रसाद वितरण की व्यवस्था की जाएगी। शाम को शहर की बेतवा नदी के कंचना घाट पर बेतवाजी की आरती के बाद एक लाख दीप प्रज्जवलित किए जाएंगे। साथ ही नगर के धार्मिक स्थलों पर भजन मंडलियों द्वारा भजन कीर्तन किया जाएगा। अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट दिखाया जाएगा। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के उद्घाटन और रामलला की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा का लाइव कार्यक्रम श्रीरामराजा मन्दिर परिसर में श्री रामराजा दीर्घा के सामने बड़ी स्क्रीन लगाकर लोगों को दिखाया जाएगा। इसके बाद शाम को इलेक्ट्रॉनिक आतिशबाजी की जाएगी।

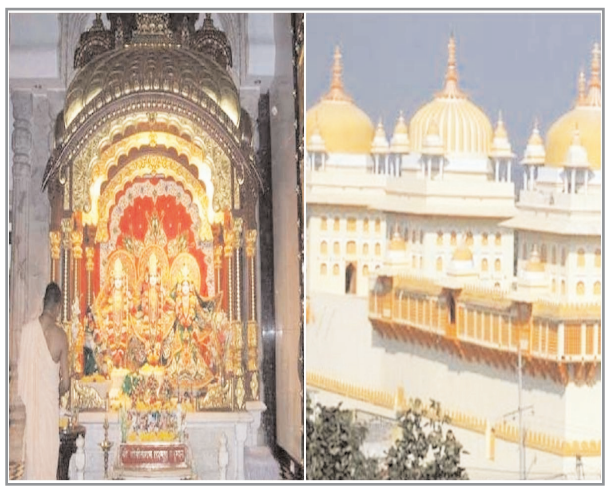

गोस्वामी तुलसीदास की जन्मस्थली में घर-घर में बसते राम, हस्तलिखित रामायण आज भी मौजूद

महाकवि व अपनी तपस्या से भगवान श्रीराम के दर्शन करने वाले गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस के माध्यम से श्रीराम के चरित्र का वर्णन किया है। उनकी लिखी रामायण की चौपाइयां आज भी घर-घर में गूंजती रहती हैं। अब अयोध्या के मंदिर में श्रीराम प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तुलसीदास की जन्म स्थली राजापुर में खासा उत्साह है। गोस्वामी तुलसीदास की हस्तलिखित रामचरितमानस आज भी उनकी जन्मस्थली राजापुर के तुलसी कुटीर में रखी हुई है। जिसके दर्शन करने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। मानस मंदिर के पुजारी रामाश्रय त्रिपाठी कहते हैं कि महाकवि ने संवत 1631 में अयोध्या से श्रीरामचरितमानस की रचना की शुरुआत की थी। मानस में कई भाषाओं का उन्होंने समावेश किया है। श्रीरामचरितमानस की रचना भोजपत्र, ताम्रपत्र नहीं बल्कि कागज पर लिखा है। गौरतलब है कि करीब चार सौ वर्ष पूर्व 13 वीं शताब्दी में कागज का आविष्कार हुआ था। गोस्वामी तुलसी की जन्मस्थली राजापुर जिला चित्रकूट मुख्यालय कर्वी से लगभग 32 किमी है। यहां तक जाने के लिए कर्वी-राजापुर मार्ग के अलावा कसहाई रोड भी है। जन्म स्थली से कौशांबी जिले की सीमा भी पड़ती है। फतेहपुर व बांदा जनपद भी नजदीक है। यहां पहुंचने के लिए सड़क मार्ग की है। ट्रेन से श्रद्धालुओं को पहले चित्रकूटधाम कर्वी या मंझनपुर अथवा फतेहपुर स्टेशन पर उतरना पड़ेगा। गोस्वामी तुलसीदास का जन्म 1554 ई में यमुना तट राजापुर में हुआ था। उसके जन्म पर पंद्रह सौ चौवन विसेए कालिन्दी के तीर। श्रावण शुक्ला सप्तमी तुलसी धरयो शरीर का दोहा खूब चर्चित है। बाल्काल्य में ही उनके 32 दांत निकलने के कारण अशुभ माना जाता रहा है। जन्म के कुछ ही दिनों बाद वह अनाथ हो गए थे। उनका पालन चुनिया दासी ने किया था। उनकी भी मृत्यु हो गई थी। तुलसीदास भगवान बजरंग बली के बहुत भक्त थे।

सबके राम, हम सब राम के भव्य राष्ट्रमंदिर में रामत्व की स्थापना

अविजित अयोध्या धाम आह्लाद के अनहद से अभिभूत है। अखंड भारत की समूची भावभूमि राममय है। समग्र आर्यावर्त रामतरंगिणी में निमग्न है। लगभग पांच शताब्दियों की तप-तपस्या, साध-साधना पूरी हो चली है। अनगिन हुतात्माओं का बलिदान सार्थक हो रहा है। राम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ की अंतिम समिधा निर्णायक मंत्रोच्चार की प्रतीक्षा में है। रामभक्तों की भावना आकार ले रही है। रामकथा में उस प्रसंग का स्मरण करें, जब प्रभु श्रीराम 14 वर्षों का वनवास व्यतीत कर ससीता अपनी जन्मभूमि में लौटे थे।

शताब्दी वर्ष में संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ा संघ, प्राण प्रतिष्ठा संग ये दो बड़े संकल्प होंगे पूरे

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ शताब्दी 2024-25 में अपने संकल्पों की सिद्धी की ओर बढ़ रहा है। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति का संकल्प 5 अगस्त 2019 को पूरा हो चुका है। अब 22 जनवरी को अयोध्या में राममंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साथ ही संघ का दूसरा बड़ा संकल्प भी पूरा हो जाएगा। अब संघ और अनुषांगिक संगठन देश में समान नागरिक संहिता लागू करने के अपने तीसरे संकल्प को सिद्ध करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। संघ का शताब्दी वर्ष 2024 में शारदीय नवरात्रि की रामनवमी से शुरू होगा, जो 2025 के शारदीय नवरात्रि की रामनवमी तक चलेगा। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण, जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति और समान नागरिक संहिता संघ के तीन बड़े मुद्दे रहे हैं। इनमें से दो बड़े मुद्दे मोदी सरकार 2.0 में पूरे हो गए हैं। मध्यप्रदेश और उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता के लिए कमेटी का गठन भी हो चुका है। सूत्रों के मुताबिक अब शताब्दी वर्ष में संघ समान नागरिक संहिता लागू कराने की दिशा में आगे बढ़ेगा। अनुषांगिक संगठन इसके लिए माहौल बनाने के साथ व्यापक सहमति बनाने का प्रयास करेंगे। विहिप के अवध प्रांत के अध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल कहते हैं कि हर वो काम जो देश के हित में है वह करना है। समान नागरिक संहिता निश्चित तौर पर एक विचारणीय बिंदु है, समय आने पर यह भी पूरा होगा। संघ के विस्तार में अहम भूमिका निभाएगा प्राण प्रतिष्ठा समारोह श्रीरामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जितना भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है, उतना ही आरएसएस के लिए भी है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गठन से लेकर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की प्रत्येक तैयारी, निमंत्रण पत्र वितरण और अतिथियों के स्वागत सत्कार की कमान आरएसएस के हाथ रही है। इस कार्यक्रम के जरिये संघ ने देश और विदेश में प्रत्येक वर्ग में अपना आधार बढ़ाया है। बल्कि 22 जनवरी को होने वाले समारोह के लिए पूरे देश में राममय माहौल बनाकर गांव-गांव और मोहल्ले मोहल्ले तक संघ की किसी न किसी रूप में उपस्थिति को साबित किया है। जानकारों का मानना है कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह संघ के शताब्दी वर्ष समारोह में संघ के विस्तार में अहम भूमिका निभाएगा। संघ के सूत्रों का कहना है कि रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रत्येक वर्ग की भागीदारी के लिए संघ ने अपना दायरा सीमित किया है। संघ की ओर से अब 45 प्रांतों के प्रचारक, 11 क्षेत्रीय प्रचारकों के साथ अखिल भारतीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी ही समारोह में शामिल हो रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले अयोध्या में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने पूरा मोर्चा संभाल लिया है। सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह सर कार्यवाह कृष्णगोपाल, भैयाजी जोशी सहित संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी अयोध्या पहुंच गए हैं। अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने शनिवार को अयोध्या में कार्यक्रम के प्रचार से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की। संघ प्रमुख मोहनराव भागवत रविवार को अयोध्या पहुंच रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ शताब्दी वर्ष में संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ गया है। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही आरएसएस के दो बड़े संकल्प पूरे हो जाएंगे। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति और राममंदिर का निर्माण संघ का प्रमुख संकल्प था। अब संघ समान नागरिक संहिता लागू कराने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

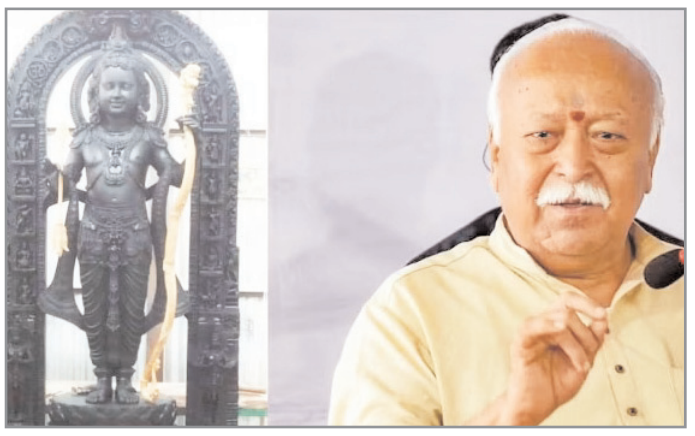

राम मंदिरः प्राण प्रतिष्ठा से पहले आज होंगे ये प्रमुख अनुष्ठान, सुरक्षा घेरे में आया परिसर

22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसके पहले आज 21 जनवरी को कुछ धार्मिक कार्यक्रम होंगे। प्रण प्रतिष्ठा के एक दिन पहले रविवार को नित्यपूजन, हवन, पारायण, प्रात= मध्याधिवास, 114 कलशों के विविध औषधीयुक्त जल से मूर्ति स्नान, महापूजा, उत्सव मूर्ति का प्रासाद परिक्रमा, शय्याधिवास तत्वन्यास, महान्यासादि, शांतिक-पौष्टिक, अघोर-व्याहृतिहोम, रात्रि जागरण जैसे अनुष्ठान होंगे।

शनिवार को हुआ जल से अभिषेक-रामलला की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के पांचवें दिन शनिवार को अचल विग्रह का औषधियुक्त 81 कलशों के जल से अभिषेक किया गया। नए राम मंदिर की वास्तुशांति भी हुई। इससे पहले अधिवास में रहे रामलला के रजत विग्रह को वेदमंत्रों के जरिये सुबह जगाया गया। फिर पूजन-अर्चन के बाद पालकी पर सवार कर यज्ञमंडप की परिक्रमा कराई गई। इस दौरान पूरा मंदिर वेदमंत्रों से गूंजता रहा। पालकी यात्रा में मुख्य यजमान समेत सैकड़ों की संख्या में वैदिक आचार्य और परिसर में मौजूद भक्त शामिल रहे। इस दौरान रामलला पर जगह-जगह पुष्पवर्षा की गई। इसके बाद उन्हें पुन= शक्कर, फल, अनाज व पुष्प में रखकर अधिवास की प्रक्रिया पूरी की गई। शाम को मंडप में सभी देवताओं का नित्य की तरह होम-हवन किया गया। भगवान राम के निमित्त 11 हजार मंत्रों का जप भी हुआ। वेद के द्वारपालों ने वेदों का पाठ किया। ट्रस्ट की ओर से बताया गया कि विराजमान रामलला अभी अस्थायी मंदिर में ही हैं। शनिवार को हुए अनुष्ठान में मुख्य यजमान डॉ. अनिल मिश्र के अलावा विश्व हिंदू परिषद के कार्याध्यक्ष आलोक कुमार भी यजमान के रूप में मौजूद रहे।

नए मंदिर का भी अभिषेक पूजन के क्रम में ही रामलला के नए प्रासाद यानी महल का अधिवासन किया गया। जल से पूरे महल को स्नान कराया गया। आचार्य अरुण दीक्षित ने बताया कि वास्तुशांति की प्रक्रिया में यह किया जाता है। महल के कोने-कोने में देवताओं का वास होता है। दरवाजे, स्तंभ, ड्योढ़ी, सीढ़ी, पत्थर सब में देवता होते हैं। इसलिए सभी को स्नान कराकर वास्तुशांति की प्रार्थना की गई। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर रामनगरी का सुरक्षा घेरा सख्त किया गया है। शनिवार रात से ही जिले समेत अयोध्या धाम की सीमाएं सील कर दी गईं। बिना पास के किसी को भी अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। सुरक्षा एजेंसियों ने प्रधानमंत्री समेत अन्य अतिथियों के गुजरने वाले मार्ग पर बने मकानों का सत्यापन किया है। छतों पर भी कार्यक्रम के दौरान सशस्त्र जवान मुस्तैद रहेंगे। एसपीजी की सुरक्षा में कार्यक्रम स्थल प्रधानमंत्री के आगमन से पूर्व एसपीजी का एक और दल अयोध्या पहुंच गया है। अधिकारियों के साथ बैठक करके उन्होंने कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा-व्यवस्था अपने कब्जे में ले ली है। वीआईपी के ठहरने वाले स्थानों व होटलों पर भी सुरक्षा घेरा सख्त किया गया है। यूपीएसएसएफ के पहरे में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के मद्देनजर राम मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एनएसजी से प्रशिक्षित उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (यूपीएसएसएफ) की महिला व पुरुष कमांडो को तैनात किया गया है। पूरे परिसर को अभेद्य बनाया गया है। बल के लगभग 1450 जवान राम जन्मभूमि की सुरक्षा में तैनात हैं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को अयोध्या पहुंच गए। वह प्राण प्रतिष्ठा समारोह तक अब यहीं पर प्रवास करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को तैयारियों का निरीक्षण और समीक्षा बैठक कर वापस लौट गए थे। सीएम योगी के रविवार को फिर अयोध्या आने की संभावना है।

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक ने की तीसरी शादी

मुंबई । पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक ने अभिनेत्री सना जावेद से शादी की है। शोएब मलिक ने अपने ट्वीटर अकाउंट से शादी की दो तस्वीरें पोस्ट की हैं। क्या ख़त्म हो गया सानिया और शोएब का रिश्ता? लोग इस पोस्ट के जवाब में ऐसे सवाल पूछ रहे हैं। सना जावेद और शोएब मलिक की शादी की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। पाकिस्तानी ऑलराउंडर शोएब मलिक ने अपनी दूसरी शादी की खबर इंस्टाग्राम के जरिए अपने फैंस को दी है। शोएब ने कहा है कि उन्होंने सना जावेद से शादी कर ली है। पिछले कुछ महीनों से शोएब मलिक और सानिया मिर्जा के बीच रिलेशनशिप की खबरें आ रही थीं। सानिया मिर्जा ने अपने अकाउंट से शोएब के साथ तस्वीरें डिलीट कर दी थीं। इसकी जमकर चर्चा हुई। इन सभी चर्चाओं पर विराम लगाते हुए शोएब मलिक ने कहा है कि उन्होंने सना जावेद से शादी कर ली है। नवविवाहित जोड़े ने अपनी शादी के कार्यक्रम की तस्वीरें शेयर कीं है। इस बड़े इवेंट के लिए शोएब और सना ने मैचिंग आउटफिट पहने थे। क्रिकेटर ने सुनहरे कढ़ाई वाले शॉल के साथ सफेद शेरवानी पहनी थी जबकि दुल्हन ने हरे और सोने के आभूषणों के साथ बेज रंग का लहंगा पहना था। घोषणा के तुरंत बाद सना जावेद ने अपना इंस्टाग्राम बायो बदलकर सना शोएब मलिक कर लिया है। इससे पहले शोएब ने मशहूर भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा से शादी की थी। 41 साल के शोएब और सानिया मिर्जा की शादी 2010 में हुई थी। ये शोएब की दूसरी शादी थी। इससे पहले शोएब और आयशा सिद्दीकी का तलाक हो चुका है। सानिया और सोहराब मिर्ज़ा की सगाई हो चुकी थी लेकिन शादी नहीं हुई थी। पाकिस्तानी खिलाड़ी से शादी करने पर सानिया मिर्जा को काफी ट्रोल किया गया था। शादी के बाद सानिया-शोएब दुबई में रहते थे। 41 वर्षीय शोएब पाकिस्तान के पूर्व कप्तान हैं और उन्होंने 35 टेस्ट, 287 वनडे और 124 ट्वेंटी20 मैचों में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया है। वह दुनिया भर की विभिन्न 20-20 लीगों में दस से अधिक टीमों के लिए नियमित रूप से खेलते हैं।

22 जनवरी को बंद रहेगा बॉलीवुड!

100 फिल्मों की शूटिंग पर लगेगा ब्रेक...होगा लाइव टेलिकास्ट

अयोध्या रामलला आ रहे हैं. इस बात की खुशी हर एक देशवासी को है. सभी इस भावुक पल के इंतजार में हैं. ऐसे मौके पर कुछ राज्यों ने जहां हॉलिडे तो वहीं कुछ राज्यों में हॉफ डे घोषित कर दिया गया है. अब रिपोर्ट्स की मानें तो फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉए ने सोमवार के दिन नेशनल हॉलिडे घोषित कर दिया गया है. मतलब 22 जनवरी, 2024 को बॉलीवुड बंद रहेगा. प्रेसिडेंट बी एन तिवारी ने अपने बयान में इस बात की घोषणा की. स्टेटमेंट में कहा गया कि- 'हम इस खास मौके पर हॉलिडे डिक्लेयर करते हैं. इस दिन किसी भी फिल्म की शूटिंग नहीं होगी क्योंकि हमारे सारे वर्कर्स छुट्टी पर होंगे.' बता दें कि तिवारी ने ये भी कहा कि अगर कोई इमरजेंसी सिचुएशन होगी या किसी को ज्यादा नुकसान हो रहा होगा तो ऐसे में वेलिड रिजन के साथ एक रिक्वेस्ट लेटर की जरूरत होगी. सिर्फ मामले की गंभीरता को देखते हुए ही शूटिंग की परमीशन दी जाएगी. अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर देशभर में अलग ही हलचल देखने को मिल रही है. इसका लुत्फ आप अच्छी तरह से ले सकें इसके लिए खास इंतजाम भी किए गए हैं. अयोध्या से इस प्राण प्रतिष्ठा का लाइव टेलिकास्ट 70 से भी ज्यादा शहरों के 160 से भी ज्यादा सिनेमाहॉल्स में दिखाया जाएगा. इसकी फीस भी तय की गई है. आप 100 रुपये में अपने नजदीकी सिनेमाघरों में इस लाइव टेलिकास्ट को देख सकते हैं. बता दें कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर कई सारे कलाकारों को भी इनवाइट किया गया है. इसमें बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के कलाकार शामिल हैं. बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के अलावा अनुपम खेर, अजय देवगन, सनी देओल, हेमा मालिनी, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट मधुर भंडारकर और संजय लीला भंसाली को भी बुलाया गया है. इसके अलावा साउथ से इस ग्रैंड इवेंट का हिस्सा बनने के लिए, मेगास्टार चिरंजीवी, रजनीकांत, ऋषभ शेट्टी, यश, प्रभास और मोहनलाल समेत अन्य सितारे शामिल हैं.

रश्मिका मंदाना डिपफेक वीडियो केस में दिल्ली पुलिस ने एक शख्स को किया गिरफ्तार

मुंबई। एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के डीपफेक वीडियो मामले से जुड़े मुख्य आरोपी को दिल्ली पुलिस ने शनिवार को आंध्र प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि नवंबर 2023 में रश्मिका मंदाना का एक डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। जिसमें काले रंग के वर्कआउट ड्रेस में एक इंडियन-ब्रिटिश लड़की ज़ारा पटेल के चेहरे को मॉर्फ कर के एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का चेहरा लगा दिया था।घटना के बाद, दिल्ली पुलिस ने इस मामले में धारा 1860 (जालसाजी), 469 (प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना) और ड्डञ्ज एक्ट 2000 के तहत धारा 66 सी (पहचान की चोरी) और 66 ई (गोपनीयता का उल्लंघन) के तहत मामला दर्ज किया गया था। 'पुष्पा', 'मिशन मजनू' और 'एनिमल' जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली रश्मिका मंदाना ने अपने डीपफेक वीडियो के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था जिसमें उन्होंने कहा था कि वह इस वीडियो को देखकर वास्तव में आहत हुईं हैं। इस वीडियो ने सरकार को सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के लिए एक सख्त गाइडलाइन जारी करने के लिए प्रेरित किया, जिसमें इस तरह के डीपफेक को नियंत्रित करने वाले कानूनी प्रावधानों और संबंधित कानूनों पर प्रकाश डाला। डीपफेक एक डिजिटल तरीका है जहां कोई भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ड्ढ) तकनीक का उपयोग करके किसी भी व्यक्ति का चेहरा समानता को दूसरे व्यक्ति की समानता से बदल सकता है।

रश्मिका मंदाना से सगाई की अफवाहों पर विजय देवरकोंडा ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की सगाई की इस समय खूब चर्चा हो रही है। कहा जा रहा था कि ये दोनों फरवरी महीने में अपने रिश्ते का ऑफिशियल अनाउंसमेंट करने वाले हैं। दरअसल, ये पहली बार नहीं है जब ये दोनों अपने रिश्ते के बारे में बात कर रहे हैं। अब इस बारे में खुद विजय देवरकोंडा ने प्रतिक्रिया दी है। विजय ने अपने और रश्मिका के रिश्ते की बातों पर चुप्पी तोड़ी है। एक इंटरव्यू में एक्टर विजय देवरकोंडा ने साफ किया है कि वह रश्मिका मंदाना को डेट या शादी नहीं करेंगे। विजय ने साक्षात्कार में कहा, मैं फरवरी में सगाई या शादी नहीं कर रहा हूं। हर साल मैं अपने रिश्ते और शादी के बारे में अफवाहें सुनता हूं। हर दो साल में मीडिया मेरी शादी तय कर रहा है। वे बस मेरी शादी का इंतजार कर रहे हैं। विजय और रश्मिका के अफेयर की चर्चा हमेशा होती रहती है लेकिन दोनों का कहना है कि वे सिर्फ दोस्त हैं। रश्मिका और विजय ने गीता गोविंदम, डियर कॉमरेड जैसी रोमांटिक तेलुगु फिल्मों में साथ काम किया है। इन दोनों की ऑनस्क्रीन जोड़ी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय है। रश्मिका मंदाना के काम की बात करें तो वह हाल ही में रणबीर कपूर स्टारर एनिमल में नजर आई थीं । इसके बाद वह वियतनाम घूमने गईं। उनकी वेकेशन की तस्वीरें खूब वायरल हुईं। इसके बाद विजय ने कुछ तस्वीरें पोस्ट की थीं। यहीं से दोनों के एक साथ वियतनाम जाने की चर्चा शुरू हुई और उसके बाद उनके रिश्ते की चर्चा होने लगी लेकिन विजय ने साफ किया कि ये महज अफवाह हैं।

KGF

के डायरेक्टर प्रशांत नील की सुपरहिट 'सालार' ओटीटी पर होगी रिलीज

मुंबई । KGF डायरेक्टर प्रशांत नील की फिल्म 'सालार' ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। अब सालार की ओटीटी रिलीज की घोषणा कर दी गई है। फिल्म सालार 2023 की सुपरहिट फिल्मों की लिस्ट में शामिल है।फिल्म सालार सिनेमाघरों में रिलीज होने के लगभग एक महीने बाद ओटीटी पर रिलीज होगी। सालार की ओटीटी रिलीज हिंदी दर्शकों को निराश कर सकती है, क्योंकि यह फिल्म ओटीटी पर चार भाषाओं तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है। फिल्म की हिंदी डब रिलीज के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है।फिल्म सालार में प्रभास के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन, श्रुति हासन, ईश्वरी राव, श्रिया रेड्डी, टीनू आनंद और जगपति बाबू अहम अहम भूमिका में हैं।

मिर्जापुर 3 में दिखेगा कालीन भैया का भौकाल?

खुल गया कहानी का सबसे बड़ा राज

डेस्क- पहले और दूसरे सीजन के बाद अब फैन्स मिर्जापुर के तीसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार रहे हैं. इस सीरीज को लेकर लोगों के बीच अलग ही दीवानगी है. सीरीज के हर किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया है. खासतौर पर कालीन भैया, जिन्हें पूरी सीरीज की जान माना जाता है. रिपोर्ट की मानें तो मिर्जापुर के तीसरे पार्ट में धमाका तीन गुना बड़ा होने वाला है. सीरीज की शूटिंग पूरी हो चुकी है. वहीं, लोगों के जहन में मिर्जापुर 3 को लेकर कई सारे सवाल उथल-पुथल मचा रहे हैं. मुन्ना भैया जिन्दा होंगे या नहीं और कालीन भैया दहशत फैलाएंगे या नहीं, इस तरह के कई सवालों के जवाब इस सीरीज की रिलीज के बाद ही मिल पाएंगे. मार्च 2024 के आखिरी हफ्ते में मिर्जापुर 3 ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है. उससे पहले सीरीज की कहानी को लेकर कुछ बड़े खुलासे हो गए हैं. रिपोर्ट की मानें तो सीजन 3 के साथ कहानी को आगे लेकर जाया जाएगा. इस बार त्रिपाठियों और पंडित परिवार की लड़ाई के बीच एक नई कहानी जन्म लेगी.

कीलान-गुड्डू के बीच कांटे की टक्कर

मिर्जापुर 3 में कालीन भैया जिन्हें लास्ट पार्ट में शरद बचाकर ले जाता है, इस बार उनके और गुड्डू के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिलेगी. गोलू भी अपने परिवार का बदला लेती हुई नजर आएगी. दूसरे पार्ट में मुन्ना भैया को गोली मार दी जाती है. तो अभी उनके किरदार को लेकर जानकारी सामने नहीं आई है.

कहानी का सबसे बड़ा खुलासा

मिली जानकारी के अनुसार मिर्जापुर की कहानी के अंत में गुड्डू भैया जेल जा सकते हैं. वहीं, पूरी सत्ता और मिर्जापुर पर गोलू रानी बनकर राज करती हुई नजर आ सकती हैं. वहीं, कालीन भैया की पत्नी बीना तीसरे सीजन में और भी शातिर बनकर लौटेंगी. इसके अलावा दद्दा त्यागी अपने बेटे की मौत का बदला लेता हुआ नजर आएंगे. दूसरी ओर शरद अपनी चालाकियों से मिर्जापुर की गद्दी हथियाने की कोशिश करता हुआ दिखेगा. इन सबके ऊपर एक सवाल ये भी है कि क्या कालीन भैया का तीसरे पार्ट में अंत होगा या वह जिंदा बच पाएंगे?

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे अनुपम खेर

मुंबई । अभिनेता अनुपम खेर 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। अपना उत्साह व्यक्त करते हुए खेर ने को ट्वीटर पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्हें भगवान राम पर एक कविता पढ़ते हुए देखा जा सकता है।

उन्होंने हिंदी में एक लंबा नोट भी लिखा, जय श्री राम! मैं 22 जनवरी को अयोध्या में अपने पूर्वजों और खासकर अपने दादा जी पंडित अमरनाथ जी का प्रतिनिधित्व करूंगा। ये सब राम मंदिर की स्थापना का सपना देखते थे। ये श्री राम का ही आशीर्वाद है कि मुझे इस ऐतिहासिक समारोह में सम्मिलित होने का और आपसे यह खुशी बांटने का अवसर मिला है। श्री रामलला की अयोध्या वापसी से यह विश्वास जगता है कि जिसने भी अपनी अवधपुरी कहीं छोड़ी है, वह उसे एक न एक दिन अवश्य ढूंढ लेगा। मैं आप सभी के लिए भी प्रार्थना करूंगा।

शुरू हुई ऋतिक रोशन-दीपिका पादुकोण अभिनीत फिल्म 'फाइटर' की एडवांस बुकिंग

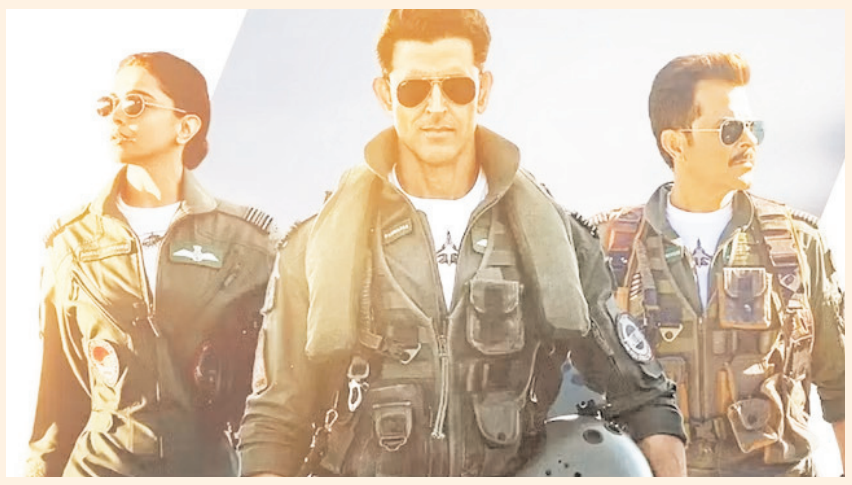

मुंबई। 'जवान', 'पठान', 'गदर 2', 'एनिमल' और 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' समेत कई अन्य हिट फिल्मों के साथ 2023 एक शानदार साल रहा है। अब, सभी की निगाहें 2024 पर टिकी हैं, जिसमें ऋतिक रोशन , दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर की फिल्म 'फाइटर'साल की पहली बड़ी रिलीज होगी। 'वॉर' और 'पठान' की सफलता के बाद इस फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसे दर्शकों ने बेशुमार प्यार दिया है। वहीं, 25 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज होने वाली 'फाइटर' की एडवांस बुकिंग अब शुरू हो गई है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी भारत की सबसे बड़ी एरियल एक्शन ड्रामा 'फाइटर' को लेकर दर्शकों का उत्साह चरम पर है। फिल्म के टीजर और गाने 'हीर आसमानी', 'इश्क जैसा कुछ' और 'शेर खुल गए' के रिलीज के बाद, ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की ताजा जोड़ी अभिनीत फिल्म ने लोगों की इच्छा सूची में अपना नाम जोड़ लिया है। हाल ही में रिलीज हुए एक्शन और इमोशन से भरपूर ट्रेलर की रिलीज के साथ, फिल्म देशभक्ति की थीम के साथ एड्रेनालाईन रश और एक जबरदस्त एक्शन थ्रिलर का वादा करती है। 'फाइटर' का ट्रेलर रिलीज के बाद से लोग फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, अब दर्शकों का इंतजार खत्म हो गया है। मेकर्स ने आज यानी 20 जनवरी से 'फाइटर' की एडवांस टिकट बुकिंग शुरू कर दी है। शुक्रवार को 'फाइटर' के निर्माताओं ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए इसके एडवांस बुकिंग शुरू करने की जानकारी दी। फिल्म को लेकर भारी चर्चा इसकी जबरदस्त ओपनिंग और साल 2024 की पहली और सबसे बड़ी ओपनिंग सुनिश्चित करती है। 75वें गणतंत्र दिवस, 2024 की पूर्व संध्या पर रिलीज होने वाली इस फिल्म में हर वर्ग के दर्शकों को पसंद करने की सभी सामग्रियां हैं। यह निश्चित रूप से 2024 की पहली ब्लॉकबस्टर बनकर उभरेगी। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यह फिल्म दुनिया भर के सिनेमाघरों में 2डी और आईमैक्स 3डी प्रारूपों में भव्य रूप से रिलीज होने के लिए तैयार है, और यह एक बड़े स्क्रीन अनुभव का वादा करती है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। 'फाइटर' बेहतरीन डायलॉग्स, आकर्षक सीन और शानदार वीएफएक्स से भरी हुई है। ऊंचे आसमान में उड़ने वाले विमानों, विस्फोटों, गोलीबारी, ऊंची पर्वत श्रृंखलाओं या विशाल हवाई अड्डों के साथ, और विश्व स्तरीय नाटकीय अनुभव के साथ सिनेमाघरों में धमाल मचना लाजमी है। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के सहयोग से वायाकॉम18 स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत, 'फाइटर' सिनेमाई प्रतिभा का प्रतीक है।

सिंगल कॉलम

चुनावी साल में राजकोषीय घाटा कम करने पर रह सकता है सरकार का जोर, पूंजीगत व्यय पर जारी रहेगा फोकस

नई दिल्ली। अर्थशास्त्रियों पर रॉयटर्स की ओर से किए गए एक पोल के अनुसार पूंजीगत व्यय को सर्वकालिक उच्च स्तर पर उठाने के बावजूद भारत सरकार 2024-25 वित्तीय वर्ष में कम घाटे का लक्ष्य रखेगी। अर्थशास्त्रियों का यह भी मानना है कि बुनियादी ढांचे में निवेश सरकार की प्राथमिकता बनी रहेगी। चुनावी वर्ष में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के तीसरे कार्यकाल के कयास लगाए जा रहे हैं अंतरिम बजट से लोकलुभावन उपायों और राजकोषीय विवेक के बीच संतुलन बनाने की उम्मीद की जा रही है। सरकार 2025-26 वित्तीय वर्ष के अंत तक राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4.50त तक सीमित करने का लक्ष्य लेकर चल रही है, जो चालू वर्ष में मार्च 2024 के अंत तक 5.90त है। 41 अर्थशास्त्रियों पर 10 से 19 जनवरी के बीच हुए पोल से पता चला है कि 1 फरवरी को पेश होने वाले बजट में 2024-25 में जीडीपी के प्रतिशत के रूप में राजकोषीय घाटे को 5.30त तक कम करने का लक्ष्य रखा गया है। सर्वे के अनुसार 2025-26 में 4.5 फीसदी के घाटे के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कुल व्यय में औसतन प्रति वित्त वर्ष सात फीसदी से अधिक की वृद्धि की जरूरत नहीं होगी। ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स के प्रमुख अर्थशास्त्री ने कहा, आने वाले वर्षों में व्यय में और भी आक्रामक कटौती की संभावना है। पूंजीगत खर्च पहले ही इस वित्तीय वर्ष में 33त से अधिक बढ़कर 10 ट्रिलियन रुपये (.120 बिलियन) हो गया है और निजी निवेश में वृद्धि की उम्मीद के साथ अगले वित्तीय वर्ष में इसके 15त बढ़कर 11.50 ट्रिलियन रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। लगभग सभी अर्थशास्त्रियों (34) ने कहा कि बुनियादी ढांचा निवेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी, इसके बाद ग्रामीण विकास पर 17 और रोजगार सृजन को 16 अर्थशास्त्रियों ने सर्वोच्च प्राथमिकता का क्षेत्र बताया। घाटे पर ध्यान केंद्रित करने के साथ कल्याणकारी योजनाओं में और अधिक इजाफे की उम्मीद कम है इसके 15.60 ट्रिलियन रुपये की सकल उधारी चालू वित्तीय वर्ष की तरह अपरिवर्तित रहने का अनुमान है।

सराफा बाजार में लग्नसरा वालों की मांग से सोने में सुधार

वैवाहिक मुहूर्त अगले तीन-चार दिन खूब होने के कारण सराफा बाजारों में अच्छी चहल-पहल देखी जा रही है। हालांकि कीमतें ऊंची होने के कारण लाइट वेट गहनों में खरीदारी देखने को मिल रही है। शनिवार को सोना आंशिक मजबूत होकर 63750 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया।अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस शुक्रवार देर रात सटोरियों की बिकवाली से सोना वायदा 10 डालर घटकर 2029 डालर प्रति औंस और चांदी 19 सेंट घटकर 22.62 डालर प्रति औंस बंद हुई। विदेशी मंदी का प्रभाव चांदी पर देखा गया। चांदी चौरसा 300 रुपये घटकर 72550 रुपये प्रति किलो रह गई। घरेलू बाजारों में ग्राहकी का सपोर्ट अगले सप्ताह बने रहने की संभावना है। ऐसे में सोने में चांदी ज्यादा मंदी नजर नहीं आ रही है। सोना कैडबरी रवा नकद में 63750 रुपये, सोना (आरटीजीएस) 64000 रुपये, सोना (91.60 कैरेट) 58620 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। शुक्रवार को सोना 63700 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी चौरसा 72550 रुपये, चांदी टंच 72700 तथा चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 72450 रुपये प्रति किलो बोली गई। शुक्रवार को चांदी 72850 रुपये पर बंद हुई थी। सोना स्टैंडर्ड 63850 रुपये तथा सोना रवा 63750 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी पाट 73100 रुपये तथा चांदी टंच 73000 रुपये प्रति किलो बोली गई। सिक्का 800 रुपये प्रति नग रहा। सोना स्टैंडर्ड 64000 रुपये तथा सोना रवा 63950 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी चौरसा 72750 रुपये तथा चांदी टंच 72850 रुपये प्रति किलो बोली गई।

मंडी में नए राइडे की आवक, मूंगफली और सोया तेल 10 रुपये घटा

इंदौर। संयोगितागंज (छावनी) अनाज मंडी में शनिवार को नए राइड़े की आवक का श्रीगणेश हुआ। शाजापुर लाइन से कट्टा नया राइड़ा मंडी में पहुंचा। भवी ट्रेडर्स पर 92 कट्टा नया माल आया। इसमें नमी की मात्रा कम थी। मुहूर्त में नए राइड़े का सौदा 5101 रुपये क्विंटल के भाव पर मोहनलाल एंड संस ने दलाल सुरेश हेड़ा के मार्फत किया। हेड़ा के अनुसार इस साल राइड़े की फसल अच्छी बताई जा रही है। नया माल भी सूखा है। सरकार की नीति के चलते तिलहन फसलों में बहुत तेजी की उम्मीद नहीं है। शनिवार को मंडी में सरसों मीडियम 5900 से 6200, निमाड़ी सरसों 6350-6450, राइड़ा नया 4800 से 5100 और पुराना राइड़ा 5050 से 5100 रुपये क्विंटल बिका।मूंगफली तेल में मांग कमजोर बनी हुई है, जबकि गुजरात तरफ से मूंगफली तेल की आवक अच्छी हो रही है। इससे इसके दामों पर दबाव बना हुआ है। शनिवार को मूंगफली तेल इंदौर 10 रुपये टूटकर 1560-1580 रुपये प्रति दस किलो रह गया। इस सप्ताह मूंगफली तेल के दाम करीब 40-50 रुपये प्रति दस किलो पर टूट गए है। सोयाबीन तेल के भाव में भी नरमी देखने मिली है। शनिवार को सोया तेल इंदौर 10 रुपये घटकर 900-905 रुपये प्रति दस किलो रह गया। मलेशिया और इंडोनेशिया में स्टॉक कम होने से पाम तेल के भाव स्थिर बने हुए है।

ब्लैक-सी में तनाव बने रहने से आयात की गति धीमी पड़ने से खाद्य तेलों में बड़ी मंदी के आसार कम है। कमजोर मांग से सोयाबीन में इस सप्ताह 100 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। सोया तेल और सोयामील में नरमी से सोयाबीन की मांग ऊपरी स्तर पर कमजोर है। नाफेड की लगातार बिकवाली, नई फसल सामने होने और पर्याप्त स्टाक के चलते सरसो में भी मंदी का वातावरण बना हुआ है। नाफेड ने अब तक कुल 2.10 लाख टन सरसो की बिकवाली कर चुका है। मंडी में सोयाबीन बेस्ट 4700-4750, एवरेज 4500-4600, प्लांट खरीदी भाव 4700-4850 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बताए गए।

लूज तेल के दाम - (प्रति दस किलो के भाव) मूंगफली तेल इंदौर 1560-1580, मुंबई मूंगफली तेल 1560-1580, इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 900-905, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 850-855, इंदौर पाम 897, मुंबई सोया रिफाइंड 905, सोया डीगम 815-820, मुंबई पाम तेल 850-855, राजकोट तेलिया 2450, गुजरात लूज 1525, कपास्या तेल इंदौर 825 रुपये।

सोयाबीन प्लांट खरीदी भाव - केएन एग्री इटारसी 4725, आइडिया लक्ष्मी देवास 4750, खंडवा आइल 4750, लिविंग फूड शुजालपुर 4730, मित्तल सोया 4750, एमएस सालवेक्स नीमच 4800, नीमच प्रोटीन 4800, पतंजलि फूड 4680, प्रकाश ग्रुप देवास 4775, रामा फास्फेट धरमपुरी 4600, राम जानकी एग्रीटेक, देवास 4730, आरएच साल्वेक्स सिवनी 4850, सांवरिया इटारसी 4775, श्री महेश शिप्रा 4725, सोनिका बायोकेम मंडीदीप 4750, सालासर हरदा 4800, स्नेहिल सोया देवास 4750 रुपये प्रति क्विंटल।

आंचलिक

प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन राज्यमंत्री धर्मेंद्र लोधी की गरिमामय उपस्थिति में नोहटा में सम्पन्न हुई दूसरे दिन हनुमान लीला की प्रस्तुति

हनुमान लीला का मंचन सराहनीय

दमोह, अयोध्या में 22 जनवरी को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व राज्य सरकार द्वारा चयनित स्थानों पर संस्कृति विभाग के माध्यम से राम कथा के विशिष्ट चरित्रो पर आधारित राम चरित मानस लीला समारोह आयोजन किए जा रहे है। इसी तारतम्य में नोहटा में दूसरे दिन हनुमान लीला की प्रस्तुति राजीव अयाची एवं समूहों द्वारा दी गई। प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संस्कृति, पर्यटन राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा आज से एक दिन बाद अयोध्या में राम मंदिर का शुभारंभ हो रहा हैं, 22 जनवरी को हर घर मे दीपावली मनाएं, उत्सव मनाये। भगवान राम के 14 वर्षो बाद अयोध्या लौटने के उपलक्ष्य में प्रदेश सहित विभिन्न जगहो पर लीला समारोह आयोजित किये जा रहे हैं। कार्यक्रम में हनुमान लीला के चरित्र का मंचन कर मनमोहक दृश्य दिखाए गए। कलाकारों द्वारा श्रीराम चरित लीला का मंचन सराहनीय रहा और दर्शकों ने भाव विभोर होकर उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम शुभारंभ के पूर्व कलाकारों का सम्मान भी किया गया। युवा नाट्य मंच दमोह के कलाकारों द्वारा हनुमान लीला का मंचन ग्राम नोहटा में किया गया। यह लीला भगवान हनुमान के जीवन चरित्र पर आधारित एक बहुत ही महत्वपूर्ण लीला है जिसमें भगवान हनुमान अलग-अलग रूप और पराक्रम का वर्णन किया गया है। इस लीला में हनुमान का चरित्र नयन खरे, रावण का चरित्र अनिल खरे, पार्वती का चरित्र अमृत जैन, विभीषण का चरित्र हरिओम खरे, सीता का चरित्र शिवानी बाल्मिक, भगवान श्री राम का चरित्र अनुनय श्रीवास्तव, लक्ष्मण का चरित्र ध्रुव राय, पंकज चतुर्वेदी, अलग-अलग चरित्रों में राजेश श्रीवास्तव, कृष्णा गुप्ता, हर्ष विश्वकर्मा, अभिनव खरे, नैंसी रिया, प्रिया, अपूर्व, आयुषी, पीहू सहित अन्य कलाकारों ने किया। लगातार पिछले 5 दिनों से यह कलाकार मध्य प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, ग्रामीणजन मौजूद रहे

भगवा रंग में रंगा शहर

अयोध्याधाम रामलला जू के प्राण-प्रतिष्ठा की तिथि हर पल नजदीक आने से नागरिकों में उत्साह चरम पर पहुंच गया है। नगर के प्रमुख बाजार दाल बाजार, दौलतगंज, सराफा बाजार, गश्त का ताजिया, राम मंदिर, नया बाजार, मुरार व हजीरा व ग्वालियर भगवा रंग में रंग गए हैं। प्रतिष्ठानों व घरों रामपताकाएं गौरव के क्षणों की अनुभूति और सुखद अहसास कर रही है। मंदिरों व मठों में साज-सज्जा युद्धस्तर पर की जा रही है। नगर की दसों दिशाओं में उल्लास व हर्ष नजर आ रहा है। ठंड का प्रकोप भी रामलला की अगवानी के उत्साह में बेअसर है। सनातन धर्मावलंबी 22 जनवरी को एक और दीपोत्सव मनाने की तैयारियां कर रही हैं। बाजार में सजावट के सामान की दुकानों पर भीड़ नजर आ रही है। कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हो गया है। राम बनो प्रतियोगिता आज तीन मुस्लिम बच्चे भी शामिल गोपाल पाड़ा स्थित संकट मोचन हनुमान बालाजी धाम में रविवार 21 जनवरी को होने वाली राम बनो प्रतियोगिता के लिए प्रतिभागियों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। 20 जनवरी तक कुल 218 आवेदन आए हैं। मंदिर के चरण सेवक जगबीर दास ने बताया कि घोषित कार्यक्रम के अनुसार रविवार को सुबह 12 बजे राम बनो प्रतियोगिता शुरू होगी। इसमें भाग लेने के लिए अबतक 218 प्रतियोगियों ने आवेदन पत्र जमा किए हैं। इनमें तीन मुस्लिम छात्र भी शामिल हैं।अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर श्रीरामलला जी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में एकल युवा ग्वालियर द्वारा रविवार शाम चार बजे फ्लैग पाइंट थीम रोड पर स्वामी अच्युतानंद महाराज, सामाजिक कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, प्रद्युम्न सिंह तोमर, पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, भाजपा ज़िला अध्यक्ष अभय चौधरी सहित समस्त राम भक्तों की उपस्थिति में प्रभु श्री राम जी की आज्ञा आगमन में प्रभु श्री रामाज्ञाम के तहत रामायण नृत्य नाटिका, बाल कवि सम्मेलन, भगत हनुमान की उड़ान की विशेष प्रस्तुति, दीपोत्सव, महाआरती विशेष सजावट कर हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया जाएगा।

विकृति बचाओ शिविर किया गया आयोजित

19 मरीज का परीक्षण किया गया

दमोह, कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सीएमएचओ डा जेम्स बैक के निर्देशन एवं जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ रीता चटर्जी एवं सिविल सर्जन डॉ राजेश नामदेव के सानिध्य में विकृति बचाओ शिविर का आयोजन जिला अस्पताल आयुष बिंग कुष्ठ कार्यालय में किया गया । कार्यक्रम में सर्वप्रथम आरएमओ डॉक्टर विशाल शुक्ला द्वारा राष्ट्रपिता मह महात्मा गांधी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवम माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शिविर में डॉ रजनीश गांगरा द्वारा 19 मरीज का परीक्षण किया गया तीन मरीजों को एमसीआर चप्पल प्रदान की गई।एक मरीज को विक्टोरिया अस्पताल जबलपुर रेफर किया। सर्जरी के लिए, एक नए कुष्ठ रोगी की पहचान कर इलाज चालू किया गया। डॉ रजनीश गांगरा द्वारा सभी मरीजों को आंखों की हाथों की एवं पैरों की विकृति से बचने के लिए विशेष आधुनिक व्यायाम बताए गए एवं जल तेल उपचार पद्धति को किस तरीके से करना चाहिए, उसके बारे में विस्तार से बताया गया। डॉ विशाल शुक्ला द्वारा सभी मरीजों को नियमित रूप से दवाई खाने एवं जलतेल उपचार पद्धति के महत्व के बारे में बताया एवं उनके द्वारा सभी मरीजों को टब एवं स्टूल वितरण किए गए। शिविर में डॉ प्रियंका तरण डॉ प्रीति ठाकुर जीपी अहीरवाल के आर पांडे की उपस्थिति रही जिनके द्वारा मरीजो को हर महीने डॉक्टर को दिखाने की एवं अन्य विशेष सलाह दी गई।

धान खरीदी केंद्र शाहनगर मंडी में अव्यवस्थाओं का माहौल

प्रति बोरी 7 रुपए ली जा रही तुलाई

पन्ना, हम आपको बता दें कि धान खरीदी केंद्र शाहनगर मंडी में किसानों को अनेक समस्याओं से जूझना पड़ रहा है धान तुलाई के अंतिम दिन खरीदी केंद्र में किसानों का ताता लगा रहा और किसानों से तुलाई के लिए प्रतिबोरी 7 रुपए तुलाई ली जा रही थी किसानों ने मीडिया के कैमरे के सामने बताया कि 7 रुपए प्रति बोरी तुलाई मांगी जा रही है एवं बरादाने के लिए अतिरिक्त 100-200 रुपए की मांग की जा रही किसानों ने बताया कि कि हम 12 तारीख से तुलाई के लिए खरीदी केंद्र में आ गए हैं पर आज दिनांक तक अंतिम दिन भी हमारी तुलाई नहीं हो सकी है और हमारे बाद जो लोग आए उनकी तुलाई कर दी गई क्योंकि हमने पैसे नहीं दिए इसलिए हमारी तुलाई नहीं की गई किसानों की शिकायत के बाद शाहनगर तहसीलदार मौके पर खरीदी केंद्र मंडी पहुंची और किसानों की समस्याओं को जाना एवं किसानों ने तहसीलदार के समक्ष बताया कि खरीदी केंद्र प्रभारी द्वारा प्रतिबोरी 7 रुपए तुलाई ली जा रही है और बारदाने के अतिरिक्त पैसे भी लिए जा रहे हैं इस पर उन्होंने कहा कि आप अपनी अपनी समस्या लिखित आवेदन में दे देवे, में प्रस्ताव बनाकर जिला अधिकारियों को भेजुगी उसके उपरांत ही कार्रवाई होगी हम आपको बता दें कि शाहनगर जिला केंद्र से लगभग 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है एवं यहां पर अधिकारियों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण नहीं किया जाता है इस कारण ही यहां पर भर्रेशाही का आलम स्थापित है एवं किसानों से तुलाई के नाम पर पैसों की मांग की जा रही है एवं 12 तारीख से आए हुए किसानों की अंतिम दिन भी तुलाई नहीं होना एवं बारदाने के लिए अतिरिक्त पैसों की मांग जो सरासर अनियमिताओं में आता है इस पर उच्च अधिकारियों को संज्ञान लेकर खरीदी केंद्र प्रभारी के ऊपर जांच कर कार्रवाई करनी चाहिए।

सिटी सेंटर के रूप में विकसित होगा नगर का रेलवे स्टेशन

अमृत भारत स्टेशन योजनांतर्गत रेलवे स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य का डीआरएम ने किया निरीक्षण

शाजापुर, अमृत भारत स्टेशन योजनांतर्गत नगर के रेलवे स्टेशन पर निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। यहां सिटी सेंटर बनाए जाने सहित यहां रेलवे की और भी कई योजनाएं हैं, जिसका निरीक्षण करने विशेष ट्रेन से डीआरएम यहां पहुंचे थे। डीआरएम देवाशीष त्रिपाठी ने पहले मक्सी और उसके बाद शाजापुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि शाजापुर रेलवे स्टेशन को सिटी सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा। डीआरएम ने बताया कि यहां रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को हर सुविधा मिल सके जिसके लिए यहां सिटी सेंटर बनाया जा रहा है। स्टेशन पर निर्माण कार्य चल रहे हैं। उन निर्माण कार्यों का अवलोकन किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। यात्रियों को मिलेगा नया अनुभव डीआरएम ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना जो हे उसके अंतर्गत कई प्लान हैं। यहां कमर्शियल एरिया भी डेवलप हो सके और स्टेशन पर आने वाले लोगों को नया अनुभव मिल सके। इसके अलावा लोगों की सुविधा को ध्यान में रखकर काम किए जा रहे है। इसके लिए जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

मंदिरों में रखें सफाई व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे लगाएं

कलेक्टर एसपी ने किया मंदिरों का निरीक्षण, 22 को होने वाले आयोजनों की जुटाई जानकारी

शाजापुर। अयोध्या में होने वाली प्रभु श्री राम की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को लेकर पूरे नगर में तैयारियां की जा रही है। वहीं नगर के मंदिर भी आकर्षक सज्जा से जगमगा रहे हैं। 22 को सभी आयोजन शांतिपूर्ण और उल्लास से मनाए जाएं इसके लिए शनिवार को कलेक्टर ऋजु बाफना व एसपी यशपालसिंह राजपूत ने नगर के विभिन्न मंदिरों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ऋजू बाफना ने मंदिरों मे जाकर पुजारी व मंदिर समितियों से भेंट कर उनसे जानकारी जुटाई कि 22 को क्या-क्या आयोजन होंगे। इसके अलावा यहां क्या व्यवस्था की गई है। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी आयोजन अच्छे से हों। यहां सफाई व्यवस्था अच्छे से हो और सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएं। उन्होंने मंदिर में पुलिस व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करने के भी निर्देश दिए ओर कहा कि किसी तरह का कोई व्यवधान नही होगा। इसके अलावा पटवारी भी मंदिरों में मौजूद रहेंगे।

संवेदनशील क्षेत्रों के मंदिरों में भी देखी व्यवस्था -कलेक्टर व एसपी ने नगर के संवेदनशील क्षेत्रों के मंदिरों की भी व्यवस्था देखी ओर यहां भी विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए। इसके लिए एसपी यशपालसिंह राजपूत द्वारा मंदिरों में पर्याप्त पुलिस व्यवस्था सहित सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने को कहा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सागर में डेढ़ किलोमीटर जन आभार यात्रा में जगह-जगह किया गया बुंदेली परंपरा से भव्य स्वागत, अभिनंदन

पुष्प वर्षा, आतिशबाजी, बुंदेली नृत्यों का भी किया गया प्रदर्शन

सागर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सागर में प्रथम नगर आगमन पर निकली डेढ़ किलोमीटर लंबी जन आभार यात्रा में जिलेवासियों ने बुंदेली परंपरा के अनुसार भव्य स्वागत, अभिनंदन किया। वही बुंदेली लोक नृत्य का प्रदर्शन भी किया गया। साथ में दीपावली पर्व की तर्ज पर आतिशबाजी भी की गई। जन आभार यात्रा के डेढ़ किलोमीटर के मार्ग पर लगातार पुष्प वर्षा की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की डेढ़ किलोमीटर की जन आभार यात्रा में जहां विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्कूली छात्र-छात्राओं, धार्मिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा जगह-जगह स्वागत वंदन किया गया। इसके पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से हेलीपैड के नजदीक ही विभिन्न संगठनों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भेंटकर ज्ञापन सौंपा। जन आभार यात्रा का मार्ग लगभग डेढ़ किलोमीटर का था। मुख्यमंत्री की जन आभार यात्रा पुलिस लाइन गेट से प्रारंभ होकर विवेकानंद चौराहा, जिला पंचायत चौराहा, चर्च चौराहा, लाल स्कूल, झंडा चौक, काली तिराहा होते हुए एम.एल.बी. स्कूल तिराहा पहुंची, जहां से मुख्यमंत्री डा. यादव पीटीसी मैदान पर आयोजित आभार सभा स्थल पहुंचे। जन आभार यात्रा के मार्ग में जगह-जगह मुख्यमंत्री डा. यादव का बुंदेली परम्परा और संस्कृति के अनुरूप भव्य स्वागत किया गया। सीएम राइज स्कूल, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओ ने उन्हें लाउड स्पीकर प्रतिबंधित करने पर आभार व्यक्त किया। वहीं जैन समाज सहित अन्य सामाजिक संगठन ने खुले में मांस और अंडा के विक्रय पर प्रतिबंध लगाने के लिए धन्यवाद दिया। डॉ. मोहन यादव जन आभार यात्रा में खुले वाहन में सवार थे। आभार यात्रा में उनके साथ खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा , सांसद श्री राज बहादुर सिंह, विधायक श्री गोपाल भार्गव,विधायक श्री शैलेंद्र जैन, श्री गौरव सिरोठिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल थे। जन आभार यात्रा वाहन के आगे मीडिया के वाहन को पूरी यात्रा को कवर करने के लिए प्रशासन के द्वारा उपलब्ध कराया गया था। वही यात्रा में शामिल एक दर्जन से अधिक अखाड़े अपनी प्रस्तुति दे रहे थे। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह बुंदेली नृत्य का प्रदर्शन भी किया जा रहा था।

कटनी, गहोई वैश्य समाज द्वारा आयोजित अखिल भारतीय युवक युवती परिचय विवाह तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन गहोई वैश्य समाज द्वारा कराया जा रहा है,जिसमे जिले के अलावा समूचे प्रदेश व छतीसगढ़ से भी युवक युवतिया वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होंगी। मध्यप्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्थानीय सांसद विष्णुदत्त शर्मा व मुड़वारा विधायक सन्दीप जायसवाल, विजयराघवग विधायक पूर्व मंत्री संजय पाठक ,कटनी नगर निगम महापौर प्रीति संजीव सूरी इस कार्यक्रम में होंगी शामिल। गहोई वैश्य समाज द्वारा आज पत्रकार वार्ता आहूत कर आगामी दिनों में होने वाले कार्यक्रम की जानकारी प्रदान करी,जिसमे बताया गया कि पूरा कार्यक्रम निःशुल्क है और युवक युवतियों के परिचय के बाद तय जोड़ो को शादी के पारिवारिक उपहार भी समाज के द्वारा दिया जावेगा। (कैप्शन)

चोरईया चौकी कैम्प में अनुभूति शिविर का आयोजन

डॉ रामकृष्ण कुसमरिया और केन घड़ियाल अधीक्षक की उपस्थिति में कार्यक्रम

दमोह, मध्यप्रदेश इको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा वन विभाग के माध्यम से अनुभूति शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। पन्ना टाइगर रिजर्व के वनपरिक्षेत्र मड़ियादो बफर के चोरईया चौकी केम्प में आज अनुभूति शिविर का आयोजन किया गया। आयोग के अध्यक्ष डॉ रामकृष्ण कुसमरिया ने कहा हमारा क्षेत्र पन्ना टाइगर रिजर्व के जंगलों में शामिल है, यंहा बड़ी संख्या में बाघ, तेंदुए वन्य जीव हैं। आप सभी पर्यावरण की रक्षा करे, अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। विद्यार्थियों को उन्होंने मोगली की कहानी का उदाहरण देकर वन्य जीवों से जुड़ी कई ज्ञानवर्धक जानकारियां दी। अधीक्षक केन घड़ियाल राजवेंद्र मिश्रा ने कहा अनुभूति कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूलों के विद्यार्थियों को वन सुरक्षा और वन्य प्राणियों से लगाव और जन जागरूकता तथा ग्रामीणों तक वनों के महत्व आदि को बताने सीखने के लिये मुख्य हैं। उन्होंने सभी से पर्यावरण को स्वच्छय रखने और वन्य जीवों की सुरक्षा की अपील की। अभिषेक जैन ने कहा चोरईया के जंगलों में बड़ी संख्या में अब वन्य जीव देखे जाते हैं, यह सब पन्ना टाइगर रिजर्व प्रबंधन की मेहनत और लगन का परिणाम है कि आगामी दिनों में हटा ब्लाक का यह क्षेत्र वन्य पर्यटन क्षेत्र बनेगा। अनुभूति शिविर में हायर सेकेंडरी स्कूल मड़ियादो ओर कलकुआ स्कूल के 125 विद्यार्थियों ने चोरईया के जंगलो का भृमण कर वन्य जीवों, पर्यावरण,बराना नदी आदि के महत्व को समझा। वनपरिक्षेत्र अधिकारी ह्रदेश हरि भार्गव ने विद्यार्थियों को नेचर ट्रायल, जंगल, पहाड़, नाला और वन्य जीव, पक्षियों के विषय मे जानकारियां दी। इसके बाद विद्यार्थियों को सामग्री प्रदान कर चित्रकला, प्रश्नमंच, निबंध आदि प्रतियोगिताये भी कराई गई। अतिथियों ने उत्कृष्ट चित्रकला, प्रश्नमंच में अव्वल विद्यार्थियों को शील्ड प्रदान की। कार्यक्रम में राजकुमारी छिरोल्या, अभिषेक जैन, सचिन नॉगरेया, सुरेश मिश्रा, ममता छिरोल्या, निधि नायक सहित जनप्रतिनिधियों, शिक्षको और विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

बड़वानी के थाना अंजड़ में शांति समिति की बैठक संपन्न

बड़वानी, अंजड़ थाने में शांति समिति की बैठक ली गई बैठक में निर्देश दिए गए जिससे यातायात व्यवस्था, एवं नगर के मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण एवं भोगली नदी की पुल पर लग रहे ठेला गाड़ियों से होने वाले जाम को लेकर शक्ति से कार्यवाही का भरोसा दिलाया गया, शांति समिति की बैठक समाप्त होने के तुरंत बाद पुलिस प्रशासन तहसीलदार मैडम एवं नगर परिषद का हमला हरकत में आया एवं बस स्टैंड से अस्पताल चौक बाईपास होते हुए राजपुर रोड और श्री कृष्ण चौक में सिनेमा चौक क्षेत्र में जो अतिक्रमण किया गया था उनको तत्काल हटाया गया और निर्देश दिए गए कि कल से यह अतिक्रमण आप बाहर नहीं करेंगे यदि आपने कल से अतिक्रमण किया तो जसी की कार्यवाही के साथ जुर्माना की राशि भी वसूल की जाएगी और इस कार्यवाही में पुलिस प्रशासन पीछे नहीं हटे गा अंजड़ टीआई, तहसीलदार मैडम, नगर पालिका सीएमओ एवं अध्यक्ष महोदय एवं शांति समिति की बैठक में मौजूद रहे इस अवसर पर तहसीलदार मैडम बबली द्वारा शासन के दिशा निर्देश से अवगत कराया गया वही सभी लोगों से शांतिपूर्वक त्यौहार मनाने की बात कही वहीं थाना प्रभारी महोदय ने बताया कि नगर अंजड़ में जो भी काम करें उसकी जानकारी पुलिस प्रशासन को अवश्य देवे आतिशबाजी ऐसी ना करें कि किसी को नुकसान हो कहीं आग जानी की घटना ना हो इसका विशेष ध्यान रखें उपरोक्त कार्यवाही शाम 7:00 बजे से लेकर के रात्रि 9:00 बजे तक लगातार चलती रही एवं नगर अंजड़ के यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले सब्जी के ठेले फल के ठेले एवं दुकानदारों के द्वारा जो अतिक्रमण किया जा रहा था उसको चिन्हा अंकित कर एवं चेतावनी दी गई देखते हैं इस कार्यवाही के बाद अतिक्रमण मुक्ति मिल पाएगी या कुछ दिनों के बाद ऐसी ही व्यवस्था हो जाएगी.

बर्फीली हवाओं ने कम नहीं होने दी गलन

उत्तर भारत में दो दिन और रहेगी शीतलहर

नई दिल्ली- उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में हल्की धूप खिली, लेकिन बर्फीली हवा के चलते गलन वाली ठंड से कोई विशेष राहत नहीं मिली। रविवार और सोमवार को भी शीतलहर और कोल्ड डे की स्थिति बनी रहेगी और उसके बाद कुछ राहत मिल सकती है। शनिवार को न्यूनतम तापमान में मामूली वृद्धि हुई, लेकिन सुबह के समय कुछ इलाकों में घना कोहरा होने की वजह से सड़क, रेल और हवाई यातायात में बाधा आई। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगले पांच दिन यानी 25 जनवरी तक उत्तर भारत में तापमान 6-20 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रह सकता है। 22 और 23 जनवरी को दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में सुबह के समय घना कोहरा भी छाया रह सकता है। दिन में आसमान साफ रहने की उम्मीद है। 11 ट्रेनें प्रभावित और उड़ानों पर भी असर

घना कोहरा की स्थित में कुछ सुधार होने से दृश्यता भी बढ़ी है। दिल्ली में आईजीआई एयरपोर्ट पर सुबह 1,100 मीटर दृश्यता दर्ज की गई, इसके बावजूद कुछ उड़ानों में देरी हुई और कुछ रद्द भी हुईं। कम दृश्यता की वजह से हिमाचल के धर्मशाला में भी उड़ानों के आगमन-प्रस्थान पर असर पड़ा। ट्रेनों का परिचालन भी बाधित हुआ। दिल्ली के बाहर कुछ इलाकों में कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली कम से कम 11 ट्रेनें 6 घंटे तक की देरी से चलीं। इनमें खजुराहो-कुरुक्षेत्र एक्सप्रेस, आंबेडकरनगर-कटरा एक्सप्रेस, पुरी-नई दिल्ली पुरषोत्तम एक्सप्रेस शामिल थीं। जम्मू में कोहरा और बादल, कश्मीर में धूप

जम्मू-कश्मीर में शनिवार को मौसम के दो रंग देखने को मिले। जम्मू समेत पूरा संभाग कोहरे की चादर में लिपटा रहा। दिन में बर्फीली हवाओं से कड़ाके की ठंड का अहसास हुआ तो वहीं कश्मीर के अधिकतर हिस्सों में दिनभर धूप खिली रही। जम्मू में शुक्रवार रात का तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कश्मीर के अधिकतर जिलों में रात का पारा शून्य डिग्री से नीचे चल रहा है। राजधानी श्रीनगर में शुक्रवार की रात का तापमान माइनस 3.7, पहलगाम में माइनस 5.5, गुलमर्ग में माइनस 4.6 और लेह में माइनस 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार, 25 से 31 दिसंबर के बीच प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश और बर्फबारी हो सकती है। -18.9 डिग्री तापमान रहा न्योमा में लद्दाख के न्योमा का तापमान -18.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा श्रीनगर में -3.7, हिमाचल के कल्पा में -3.4, मप्र के नौगांव में 3.1, पटियाला में 4.4, भिवानी में 5.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। पूर्वोत्तर ८5 दिन में बारिश की संभावना पूर्वोत्तर भारत की बात करें तो ठंड की स्थिति वहां भी बनी हुई है और सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में अगले पांच दिन के दौरान बारिश की संभावना है। हरियाणा में भी शीतलहर जारी हरियाणा के रोहतक, नारनौल, रेवाड़ी, झज्जर और सोनीपत समेत लगभग पूरे राज्य में शनिवार को कड़ाके की ठंड बनी रही। हालांकि, दोपहर बाद धूप निकलनी शुरू हुई, जिसके बाद ठिठुरन से कुछ राहत मिली, लेकिन इस दौरान शीतलहर भी चलती रही। रेवाड़ी में अधिकतम तापमान 14.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7.0 डिग्री सेल्सियस रहा। जींद में सुबह के समय तेज हवाएं चलने के कारण कोहरे से छुटकारा मिला। दिन में कुछ ही देर के लिए धूप निकली, लेकिन ठंड से राहत नहीं मिल पाई। हवा की गति पांच किमी प्रति घंटा रही।

ईरान समर्थित समूहों ने इराक में अमेरिकी सैन्यअड्डे पर दागीं रॉकेट और बैलिस्टिक मिसाइलें, कई कर्मी घायल

बगदाद- पश्चिमी इराक में ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों ने शनिवार पर अमेरिका के सैन्यअड्डे पर रॉकेट और बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया, जिसमें कई अमेरिकी कर्मी घायल हो गए। यूएस सेंट्रल कमांड ने यह जानकारी दी। अमेरिकी सेना ने कहा कि कई सैन्य कर्मियों को गंभीर चोटें आई हैं, जिनकी जांच की जा रही है। हमले में एक इराकी सेवा का सदस्य भी घायल हुआ है। यूएस सेंट्रल कमांड ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 20 जनवरी को शाम 6ः30 बजे (बगदाद के समयानुसार) पश्चिमी इराक में अल-असद एयरबेस पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें और रॉकेट दागी गईं। वायु रक्षा प्रणाली ने अधिकांश मिसाइलों को हवा में ही रोककर नष्ट कर दिया। हालांकि, कुछ मिसाइलें एयरबेस पर गिरीं। फिलहाल नुकसान का आकलन किया जा रहा है। कई अमेरिकी कर्मियों को सिर में गंभीर चोटें आई हैं। एरिबल स्थित अमेरिका दूतावस के पास भी विस्फोट मीडिया रिपोर्ट की मानें तो, बुधवार को इराक के एरिबल शहर स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के नजदीक भी कई विस्फोट हुए थे। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने ही हमलों की जिम्मेदारी ली थी। सूत्रों के मुताबिक, बमबारी बेहद हिंसक थी, अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास आठ स्थानों को निशाना बनाया गया था। इससे पहले, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने इराक के उत्तरी शहर एरिबल के पास स्थित इस्त्राइल की मोसाद एजेंसी पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया था। साथ ही गार्ड्स ने सीरिया में भी इस्लामिक स्टेट आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई की थी। आंतकी समूहों आईएस की सभाओं को तबाह करने के लिए भी ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया था। हमले के कारण चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए, जिन्हें पास के ही अस्पताल में ले जाया गया था।

चंद्रमा पर पहुंचा जापान का अंतरिक्ष यान 'मून स्नाइपर'

मोदी ने प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा को दी बधाई

नेशनल डेस्क ८ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जापान के चांद पर पहुंचने वाला दुनिया का पांचवां देश बनने पर अपने जापानी समकक्ष फुमियो किशिदा और जापानी अंतरिक्ष एजेंसी को शनिवार को बधाई दी तथा कहा कि भारत उनके साथ अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में सहयोग करने का इच्छुक है। किशिदा ने जापानी अंतरिक्ष यान के चंद्रमा की सतह पर उतरने की जानकारी सोशल मीडिया मंच 'एक्स के जरिए दी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मोदी ने 'एक्स पर लिखा,'' प्रधानमंत्री किशिदा और जेएएक्सए (जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी) के हर सदस्य को चंद्रमा पर जापान की पहली 'साफ्ट लैंडिंग की बधाई। भारत इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) और जेएएक्सए के बीच अंतरिक्ष के क्षेत्र में सहयोग का इच्छुक है। जापान चांद पर पहुंचने वाला दुनिया का पांचवां देश बन गया है। स्थानीय समयानुसार शनिवार तड़के जापानी अंतरिक्ष यान चंद्रमा की सतह पर उतरा। जापानी अधिकारियों ने बताया कि यह अब भी निर्धारित करने की कोशिश की जा रही है कि अंतरिक्ष यान ने सटीक 'लैंडिंग की या नहीं। उन्होंने बताया कि मानव रहित अंतरिक्ष यान की 'लैंडिंग के बारे में स्पष्ट विश्लेषण में कुछ और समय लग सकता है। भारत पिछले साल चांद पर सफल 'सॉफ्ट लैंडिंग करने चाला दुनिया का चौथा देश बन गया था।

बहरीन के बंदरगाह पर दो ब्रिटिश युद्धपोत आपस में टकराए

चीन अग्निकांड में अब तक इतने की मौत

लंदन -बहरीन के एक बंदरगाह में दो ब्रिटिश युद्धपोत टकरा गए, जिससे जहाजों को नुकसान हुआ लेकिन कोई घायल नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो के अनुसार, एचएमएस चिडिंगफोल्ड एचएमएस को बैंगर से टकराते हुए देखा जा सकता है। इन्हें व्यापारी जहाजों की सुरक्षा में पश्चिम एशिया में तैनात किया गया था। रॉयल नेवी ने कहा कि हादसे का कारण पता लगाया जा रहा है। हम अपने कर्मियों को उच्चतम मानकों के अनुरूप प्रशिक्षित करते हैं और मशीनरी सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू करते हैं। पाकिस्तान- गांव पर हमले में पांच की मौत पाकिस्तान के सिंध प्रांत के घोटकी के जाम बाजार गांव में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया। हमले में पांच लोग मारे गए और दो घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि घटना दो गुटों के बीच चल रहे झगड़े की वजह से हुई। आरोपियों ने गांव में एक बैठक स्थल पर हमला किया था। घोटकी और ऊपरी सिंध के अन्य जिलों में अराजकता की स्थिति है। क्षेत्र दस्यु गिरोहों की आपराधिक गतिविधियों के लिए कुख्यात हैं। इन गिरोहों को आदिवासी सरदारों और प्रभावशाली लोगों का संरक्षण प्राप्त है। चीन अग्निकांड में 21 लोगों की मौत चीन में दो अलग-अलग अग्निकांडों में स्कूली छात्रों समेत 21 लोगों की मौत हो गई। पहली दुर्घटना हेनान प्रांत के यानशनपु गांव में शुक्रवार देर रात हुई जहां आग लगने से शयनगृह में सो रहे 13 छात्रों की मौत हो गई। आग में घायल एक व्यक्ति का फिलहाल, अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी हालत स्थिर है। सभी मृत तीसरी कक्षा के छात्र थे। दूसरी दुर्घटना में शनिवार सुबह पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत के चांगझोउ शहर में एक उत्पादन कार्यशाला में धमाके के बाद आग लग गई। इसमें आठ लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी 'म्यूजिक डिप्लोमेसी 2024' कार्यक्रम भारत से शुरू अमेरिका ने वार्षिक 'म्यूजिक डिप्लोमेसी 2024' कार्यक्रम की शुरुआत भारत से की। मशहूर जाज संगीतकार हर्बी हैनकॉक तथा डायने रीव्स नई दिल्ली और मुंबई में प्रस्तुतियां दे रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा, अमेरिका के दो दिग्गज जाज संगीतकार 'ग्लोबल म्यूजिक डिप्लोमैसी इनीशिएटिव' के तहत 14-24 जनवरी तक भारत में हैं। अमेरिकी संसद ने वेद नंदा की विरासत को सम्मानित किया भारतवंशी कॉलमिस्ट (स्तंभकार) और 2018 में पद्म भूषण से सम्मानित वेद नंदा की विरासत को सम्मान देते हुए अमेरिकी कांग्रेस ने उन्हें इस हफ्ते प्रतिष्ठित शख्सियत और दोनों देशों के बीच एक सेतु बताया। डेनवर पोस्ट के स्तंभकार व डेनवर विवि में 50 वर्ष तक पढ़ाने वाले प्रो. नंदा का इस माह89 वर्ष की उम्र में निधन हुआ।

बाबरी मस्जिद के ताले खोलने के लिए राजीव नहीं, कांग्रेस जिम्मेदार

पुस्तक लॉन्च पर बोले मणिशंकर अय्यर

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा है कि बाबरी मस्जिद का ताला खोलने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी नहीं, बल्कि पार्टी जिम्मेदार थी। उन्होंने कहा कि इसके पीछे अरुण नेहरू थे। अय्यर ने आरोप लगाया कि अरुण नेहरू भाजपा की ओर से कांग्रेस में प्लांट किए गए थे। बाद में जब उनकी योजना का पता चला तो वह भाजपा में शामिल हो गए। जगरनॉट की ओर से प्रकाशित अपनी पुस्तक द राजीव आई न्यू एंड व्हाई ही वाज इंडियाज मोस्ट मिसअंडरस्टूड प्राइम मिनिस्टर के लॉन्च पर अय्यर ने कहा कि उनका अनुमान है कि अगर राजीव गांधी जीवित होते और पीवी नरसिम्हा राव की जगह प्रधानमंत्री होते, तो बाबरी मस्जिद अभी भी कायम होती। उस स्थिति में भाजपा को उचित जवाब दिया गया होता और उन्होंने वैसा ही समाधान निकाला होता, जो सुप्रीम कोर्ट ने सालों बाद दिया। राजीव का निष्कर्ष ही सही अय्यर ने 22 जनवरी के राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण को अस्वीकार करने के कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के फैसले की सराहना की। उन्होंने कहा, राजीव गांधी कह रहे थे कि मस्जिद रखो और मंदिर बनाओ। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मंदिर बनाओ और मस्जिद कहीं और बनाओ।

ललिता से ललित बनने वाला पुलिसकर्मी बना पिता, 2018 में हुई थी सर्जरी

बीड-महाराष्ट्र के बीड जिले में कुछ साल पहले लिंग परिवर्तन की सर्जरी के बाद ललिता से ललित बना पुलिस कांस्टेबल पिता बन गया है। ललित कुमार साल्वे ने 2020 में शादी की थी और वह 15 जनवरी को एक बच्चे का पिता बना। बीड जिले के माजलगांव तालुका के राजेगांव के निवासी साल्वे परिवार में एक नए सदस्य के आने से खुश हैं, लेकिन वह आज भी एक महिला से पुरुष बनने तक उनके संघर्ष भरे जीवन को याद करते हैं। कांस्टेबल ने 2018 में राज्य सरकार से अनुमति मिलने के बाद लिंग-परिवर्तन से संबंधित सर्जरी कराई थी। बीड जिले के माजलगांव तालुका के राजेगांव के निवासी साल्वे परिवार में एक नए सदस्य के आने से खुश हैं, लेकिन वह आज भी एक महिला से पुरुष बनने तक उनके संघर्ष भरे जीवन को याद करते हैं। कांस्टेबल ने 2018 में राज्य सरकार से अनुमति मिलने के बाद लिंग-परिवर्तन से संबंधित सर्जरी कराई थी।

जयशंकर बोले- असमानता के नए रूपों से जूझ रहा विश्व, संयुक्त राष्ट्र में सुधार जरूरी

कंपाला-विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र में सुधार पर जोर देते हुए एक बहुध्रुवीय दुनिया का आह्वान किया। उन्होंने गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) के देशों से उनकी आर्थिक सुरक्षा कमजोर करने वाली ताकतों को चुनौती देने की अपील की और कहा, एनएएम की आवाज यहां रहने और बढ़ने के लिए है। जयशंकर ने कहा, दुनिया 'नए प्रकार की असमानता और वर्चस्व' से जूझ रही है। युगांडा की राजधानी कंपाला में 19वें गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) शिखर सम्मेलन में विदेश मंत्री ने 'वसुधैव कुटुंबकम' से प्रेरित भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। जयशंकर ने कहा कि 2019 में अजरबैजान की राजधानी बाकू में एनएएम की बैठक के बाद से दुनिया पूरी तरह बदल गई है। उन्होंने कहा, कोविड-19 महामारी ने हम सभी को तबाह कर दिया है, जिसके घाव भरने में पीढ़ियां लग जाएंगी। इसका असर दूर-दूर तक महसूस किया जा रहा है। विशेष रूप से गाजा हमारी चिंता के केंद्र में है। उन्होंने कहा, कर्ज, मुद्रास्फीति और विकास की चुनौतियों ने भी विकास पर भारी असर डाला है। जयशंकर ने कहा, हमने भले ही उपनिवेशवाद को उखाड़ फेंका हो, लेकिन हम असमानता और वर्चस्व के नए रूपों से संघर्ष कर रहे हैं। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र में सुधार पर जोर देते हुए बहुध्रुवीय दुनिया का आह्वान करते हुए कहा, हमें सांस्कृतिक पुनर्संतुलन पर भी जोर देना चाहिए। फलस्तीन में भारत दो राष्ट्र समाधान समर्थक एनएएम सम्मेलन के दौरान जयशंकर ने फलस्तीनी समकक्ष रियाद अल-मालिकी से गाजा संघर्ष पर चर्चा की। उन्होंने क्षेत्र में भारत का दो-राष्ट्र समाधान नीति का समर्थन दोहराया। उन्होंने मानवीय और राजनीतिक पहलुओं पर भी विचारों को साझा किया। विदेश मंत्री ने गाजा संघर्ष को लेकर चिंता जताई और बेहतरी की कामना की। बोलिविया, अजरबैजान, वेनेजुएला के विदेश मंत्रियों के साथ बैठकें जयशंकर ने बोलीविया, अजरबैजान और वेनेजुएला के विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं और क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। बोलिविया की विदेश मंत्री सेलिंडा सोसा लुंडा से विकास सहयोग व टिकाऊ जीवन शैली पर, अजरबैजान के विदेश मंत्री जेहुन बायरामोव से द्विपक्षीय संबंधों पर व वेनेजुएला के विदेश मंत्री यवन गिल से ऊर्जा-विकास पर बात हुई। विक्रमसिंघे से द्विपक्षीय पहल की सराहना जयशंकर ने एनएएम के 19वें शिखर सम्मेलन से इतर शनिवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की। जयशंकर ने कहा, हमारी द्विपक्षीय पहलों की प्रगति के लिए विक्रमसिंघे के निरंतर मार्गदर्शन की भारत सराहना करता है। उन्होंने कहा, भारत की प्रतिबद्धता पड़ोसी प्रथम और समुद्री नीति में परिलक्षित होती है। एनएएम शिखर सम्मेलन के मौके पर जयशंकर ने युगांडा के नेतृत्व के साथ ही अन्य एनएएम सदस्य देशों के समकक्षों से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की पहल की है।

उद्धव को स्पीड पोस्ट से मिला राम मंदिर कार्यक्रम का आमंत्रण, संजय राउत बोले- भगवान माफ नहीं करेंगे

मुंबई-शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता उद्धव ठाकरे को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से शामिल होने के लिए स्पीड पोस्ट से आमंत्रण मिला है। यह आमंत्रण राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से सिर्फ दो दिन पहले मिलने स्पीड पोस्ट से मिलने पर शिवसेना (यूबीटी) ने नाराजगी जताई है। पार्टी का कहना है कि अब भाजपा को बालासाहेब ठाकरे का नाम लेने का कोई अधिकार नहीं है। संजय राउत बोले- भगवान राम उन्हें श्राप देंगे मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने स्पीड पोस्ट से आमंत्रण मिलने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि भगवान राम उन्हें (आमंत्रण भेजने वालों को) श्राप देंगे। संजय राउत ने कहा कि आप मशहूर हस्तियों और फिल्मी सितारों को विशेष निमंत्रण दे रहे हैं, जबकि उनका राम जन्मभूमि से कोई लेना-देना नहीं है। संजय राउत ने कहा कि ठाकरे परिवार ने राम जन्मभूमि आंदोलन में अहम भूमिका निभाई थी, उस परिवार के साथ भाजपा इस तरह का व्यवहार कर रही है। भगवान राम माफ नहीं करेंगे, वह श्राप देंगे। आप भगवान राम की प्रार्थना कर रहे हैं और रावण की तरह सरकार चला रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा जिस पार्टी ने राम मंदिर आंदोलन में सबसे ज्यादा योगदान दिया, उसी पार्टी के मुखिया को स्पीड पोस्ट से आमंत्रित किया गया है। यह दुख की बात है...इसके बाद भाजपा को बालासाहेब ठाकरे का नाम लने का कोई अधिकार नहीं है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569